मित्र समाचार

अंक 14 | प्रकाशन 9 | सितम्बर 2024

"अत: जब परमेश्वर ने उन्हें भी वही दान दिया, जो हमें प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने से मिला था! तो मैं कौन था जो परमेश्वर को रोक सकता?" प्रेरित 11:17

परमेश्वर शुद्ध करने वाली आग है

मैं क्या हूँ
2 शमूएल 7:18

मैं कौन हूँ जो पवित्र आत्मा के कार्य का विरोध करूँ?

प्रथम पंक्ति....

पवित्र आत्मा के नेतृत्व में चलें!

क्या आपने कभी सोचा है, कि "मेरे लिए परमेश्वर की क्या योजना है? जब मैं अपने जीवन में उसका उद्देश्य पूरा करने का प्रयास करता हूँ तो मेरे सामने इतनी सारी बाधाएँ क्यों आती हैं?क्या कोई भी मुझे परमेश्वर द्वारा दिए गए मिशन को पूरा करने में मदद नहीं करेगा?"

ये वे विचार हैं जो हममें से कई लोगों के मन में अपनी आध्यात्मिक यात्रा के किसी न किसी मोड़ पर आते हैं।

पुराने नियम के समय से, हम देखते हैं कि पवित्र आत्मा ने व्यक्तिगत रूप से अगुवों, भविष्यद्वक्ताओं और न्यायियों को चुना जिन पर वह अपनी आत्मा को उंडेला ताकि वे उसकी योजनाओं को पूरा करें। (गिनती 11:17, 25; 27:18; न्यायियों 15:14; 1शमूएल 10:6, 10; 16:13–14)। हम, नए नियम में, यह भी पढ़ते हैं कि मरियम, स्तिफनुस, पौलुस और पतरस पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थे। कोई भी व्यक्ति शक्तिशाली कार्य तभी कर सकते हैं जब पवित्र आत्मा किसी पर रहता है। जैसा कि यीशु मसीह ने लूका 24:49 में प्रतिज्ञा किया था, उसने पवित्र आत्मा को हमारे साथ रहने, हमें प्रोत्साहित करने, हमें साहसी बनाने, सत्य पर हमारी अगुवाई करने और हमें पाप, धार्मिकता और न्याय के बारे में समझाने के लिए (यूहन्ना 16:7–8) भेजा। फिर भी, हम यह भी देखते हैं कि शैतान ने परमेश्वर की योजना को पूरा होने से रोकने के लिए कई लोगों का उपयोग किया है। हालाँकि, परमेश्वर की संतानों ने, पवित्र आत्मा द्वारा सशक्त होकर, हमेशा उनकी योजना को आगे बढ़ाया और पूरा किया।

परमेश्वर ने मूसा को फिरौन से बचाया, जो उसे मारना चाहता था, और उसे इस्राएलियों का अगुवा बनाया। परमेश्वर ने यूसुफ को उसके अपने भाईयों द्वारा उत्पन्न बाधाओं को दूर करके राष्ट्रों के लिए एक आशीर्वाद का कारण बनाया, जिन्होंने उसके जीवन के लिए परमेश्वर की योजना को विफल करने की कोशिश की। जब दाऊद ने पाप किया, तो आत्मा ने उसे फटकारा और सुधारा, और परमेश्वर ने उसे हमारे उद्धारकर्ता का पूर्वज बनाकर आशीष दी। भले ही शैतान ने यीशु मसीह के लिए परमेश्वर की योजना में बाधा डालने की कोशिश की, परन्तु उसने पवित्र आत्मा की शक्ति के माध्यम से कार्य को पूरा किया जिसके कारण से मसीह पूरे संसार के लिए एक आशीष का मूल बना।

आज भी हमारे मिशन क्षेत्रों में प्रतिरोध एवं बाधाएँ हैं। जो लोग परमेश्वर की योजना में बाधा डालते हैं वे शैतान द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले औजार हैं, परन्तु जब हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो हमारा विरोध करते हैं बिना किसी नफरत के– आत्मा हमें जीत की ओर ले जाती है। हमारा कर्तव्य है कि युद्ध के मैदान में हमारे मिशनरीगण विरोधों का सामना कर सकें और परमेश्वर उन्हें दृढ़ और मजबूत करे। परमेश्वर द्वारा एक अशुद्ध बर्तन का उपयोग नहीं किया जा सकता। जब हम अपने आप को कोमल पवित्र आत्मा की दया के लिए पूरी तरह से समर्पित होते हैं तभी, यह हमें शुद्ध कर सकता है और हमारे राष्ट्र के निमित परमेश्वर की योजना को हमारे जीवन में उपयोग कर सकता है। हे पवित्र आत्मा! हमें पवित्र कर! अपने पवित्र हाथों के द्वारा हमें शुद्ध कर!

— **मर्सी सेल्विन** *(संचार विभाग)*

"परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैं ने तुम से कहा है, वह सब बातें स्मरण कराएगा।"
यूहन्ना 14:26

आत्मा से परिपूर्ण होने के लिए हमें स्वयं को खाली करना होगा।

"परमेश्वर जो आशा का दाता है तुम्हें विश्वास करने में सब प्रकार के आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे, कि पवित्र आत्मा की सामर्थ से तुम्हारी आशा बढ़ती जाए।"
– रोमियों 15:13

हमें पाप से शुद्ध होने में संतुष्ट नहीं होना चाहिए; हमें आत्मा से भरा होना चाहिए।
– जॉन फ्लेचर

हम सरल कार्यों को करने के लिए परमेश्वर की आत्मा से भरे नहीं जाते। वह हमें अपनी आत्मा से भरता है, ताकि हम असंभव कार्यों को कर सकें।
– जॉयस मेयर

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साक्षा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतृप्ति सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ. एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ:एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक
एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रूपये	600 रूपये
आजीवन	600 रूपये	5,000 रूपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur, Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

अपहुँचों तक सुसमाचार को पहुँचाने के मिशन में प्रिय सहभागियों,

जब मेरे पास रखे फोन की घड़ी में 1:32 बजे का समय दिखा तो मैंने मित्र समाचार के लिए संपादकीय लिखना आरम्भ किया और मैं उस समय उत्तर प्रदेश के दिबियापुर मिशन क्षेत्र था। सुबह से ही प्रभु ने मुझे 4 मिशन क्षेत्रों गोंडा से लेकर दिबियापुर तक के मिशनरियों का दौरा करने में सक्षम बनाया। हालाँकि कार्यक्रम और यात्रा व्यस्त था, परन्तु मिशनरी परिवारों से मिलना और उनकी बातें सुनना बहुत ताजा और समृद्ध करने वाला था।

प्रति वर्ष 5 सतिम्बर को हम उन शिक्षकों को याद करते हैं जिन्होंने हमें आज जो कुछ भी है, उसे आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। FMPB के कई शुरुआती अगुवे पेशे से शिक्षक थे और उन्होंने इस देश में सुसामचार को पहुँचाने का दर्शन को तमिलनाडु के कोने–कोने तक पहुँचाया। मसीह के साथ रिश्ते में पले–बढ़े युवाओं ने जीवन देने वाले सुसमाचार को लेकर इस देश के कई हिस्सों में गए। FMPB राष्ट्र निर्माण और आध्यात्मिक परिवर्तन में उनके अपार योगदान के लिए सभी शिक्षकों का धन्यवाद करती है। नीतिवचन 22:6 हमें बताती है "बच्चों को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिस पर उनको चलना चाहिए, और वह बुढ़ापे में भी उससे न हटेगा।"

वी.बी.एस. सेवाओं के साथ बैठक बेंगलुरु

वी.बी.एस. मिनिस्ट्रीज बेंगलुरु के निदेशक हमारे कार्यालय में आये तथा हमारे विश्वासी बच्चों के बीच वी.बी.एस. सामग्रियों के उपयोग के बारे में चर्चा की।

आई.एम.एस. के अगुवों के साथ बैठक

इंडियन मिशनरी सोसाइटी के 12 अगुवे और बॉर्ड के सदस्य सेवकाई और संगठन के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बातचीत के लिए हमारे मुख्यालय में आए। यह एक आशीषित और फलदायी सभा थी।

हमारे मिशनरियों का स्नातक समारोह

29 जुलाई 2024 को हमारे दस मिशनरी प्रशिक्षुओं का स्नातक संप्रदायों के अगुवों, विश्वासियों और FMPB के गअुवों की उपस्थिति में किया गया। मिशनरीगण अपने बुलाए गए स्थानों पर रहने और सुसमाचार का प्रचार करने के लिए चले गए हैं। कृपया उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण करें।

नए सत्र के लिए सी.सी.सी. प्रशिक्षण

स्नातक प्राप्त कमशनरियों को मैंने आखिरी विषय पढ़ाया और मुझे मिशनरियों के साथ बातचीत करने और उन्हें और गहराई से जानने का पर्याप्त समय और अवसर मिला। हमने FMPB के सेवकाई के तरीकों और मूल्यों पर अधिक बातचीत की।

मदुरै में एन.एम.सी. की बैठक

मदुरै में चार दिनों तक राष्ट्रीय मिशन परामर्श बैठक आयोजित की गई थी जिसमें कई संगठनों के अगुवों ने भाग लिया। इस बैठक में आज

भारत में मिशन की चुनौतियों पर चर्चा की गई।

बीमार मिशनरियों से मिलना

मैंने CMC वेल्लोर में इलाज करवा रहे बीमार मिशनरियों से मुलाकात की। मेरा आप सबों से अनुरोध है कि बीमार मिशनरियों के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करें। कुछ लोग कैंसर जैसी भयानक बीमारियों से पीड़ित हैं। सभी उपचार समाप्त हो चुके हैं और अभी भी पूरी तरह से चंगे होने की उम्मीद नहीं है। परमेश्वर के उपचारात्मक स्पर्श के लिए प्रार्थना करें।

एफ.एम.पी.बी. यू.एस. की तिमाही बैठक

जूम के माध्यम से आयोकजत की गई इस सभा में FMPB के 14 प्रार्थना दल के अगुवों ने भाग लिया। इस सभा में हमने संचालित योजनाओं का मूल्यांकन किया और नई योजनाओं के संचालन को लेकर योजनाएँ तैयार कीं।

कानपुर क्षेत्र का दौरा

मैं इस समय कानपुर क्षेत्र के मिशनरियों के घरों में अपने दौरे के अंतिम चरण में था। उत्तर प्रदेश में सेवकाई और मिशनरियों के लिए बहुत सारी चुनौतियाँ हैं। परन्तु मिशनरीगण उत्साह के साथ सेवा कर रहे हैं। इस दौरे के दौरान हमने सेवकाई के विकास के निमित संशोधित किए जाने वाले कुछ रणनीतिक क्षेत्रों की पहचान की और हमने मिशनरियों के साथ इन पर विचार विमर्श की।

सेवानिवृत्त मिशनरियों एवं गोंडा बाल भवन के कार्यकर्ताओं से मुलाकात

अपनी यात्रा के दौरान, मैं पहली बार उत्तर भारतीय मिशन क्षेत्र बस्ती का दौरा करके रोमांचित था। मैंने पहली बार 1989 में जीप टीम में शामिल होने के लिए इस क्षेत्र का दौरा किया था और कार्यालय एवं हिंदी प्रशिक्षण के बाद यह मेरा पहला मिशन क्षेत्र भी था। हम अपने सेवानिवृत्त मिशनरीगण श्रीमती और रेव्ह. पीटर हरिराम के साथ कुछ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सके जो अपनी सेवानिवृत्ति के बाद बस्ती में रहते हैं। हम श्री सुंदर से भी मिले जो कई वर्षों से स्वयंसेवक के रूप में गोंडा मिशन क्षेत्र में सेवा कर रहे हैं। मैंने उन्हें पहली बार 1988 में देखा था और अब भी वे प्रभु की सेवा कर रहे हैं। हम ऐसे ईमानदार सेवकों के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

मैं आप सबों से अनुरोध करता हूँ कि मेरे सितम्बर महीने के कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें

पुरोहिताभिषेक कार्यक्रम

परमेश्वर के अनुग्रह से गुजरात सी.एन.आई. डॉयोसीस के सम्मानित बिशप ने 2 सितंबर को हमारे मिशनरियों और प्रचारकों का अभिषेक करने का निर्णय लिया है। एन.ई.एल.सी. झारखंड के महामान्यवर मॉडरेटर 8 दिसंबर को हमारे मिशनरियों और प्रचारकों का अभिषेक करने के लिए आगे आए हैं। हम अपने सेवकाई के लिए ऐसे अनुकूल कलीसिया के अगुवों के लिए परमेश्वर की प्रशंसा करते हैं। कृपया इन दो अभिषेक कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ मिशन क्षेत्रों का दौरा

परमेश्वर की इच्छा से मैं इस माह के प्रथम सप्ताह में छत्तीसगढ़ क्षेत्र के मिशनरियों से मिलने जाऊँगा।

असम दौरा

दूसरे सप्ताह के अंत में मैं असम मोबिलाइजेशन का तीन दिवसीय दौरा करूँगा, जहाँ मैं अपने सेवकाई के समर्थकों के साथ बैठक करूँगा तथा बोरो बैपटिस्ट चर्च एसोसिएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करूँगा।

कार्यकारी समिति एवं आम सभा

दोनों बैठकें क्रमशः 21 और 22 सितंबर को होने वाली हैं। कृपया इन दो महत्वपूर्ण बैठकों के लिए

बोझ के साथ प्रार्थना करें।

प्रभागीय प्रमुखों की बैठक

प्रभागीय प्रमुखों के साथ त्रैमासिक उपवास प्रार्थना और योजना सभा 24 से 27 सितंबर तक आयोजित की जाएगी।

उच्च अध्ययन समिति

मिशनरियों के उच्च अध्ययन आवेदनों पर निर्णय लेने के लिए उच्च अध्ययन समिति की बैठक 28 सितंबर को होगी।

जाँच समितियाँ

हमारे संगठन को परमेश्वर से अपने चुने हुए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, एक नई कार्यकारी समिति और सामान्य समिति के 50 नए सदस्यों को प्रदान करने की प्रतीक्षा है। पदाधिकारियों, नई कार्यकारी समिति और 50 सामान्य समिति के सदस्यों की पहचान करने के लिए गठित समितियाँ प्रार्थना पूर्वक उस पर काम कर रही हैं। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि 22 सितंबर तक ईमानदारी से और लगातार प्रार्थना करें ताकि परमेश्वर के चुने हुए पात्रों को संगठन की यात्रा में अपनी भूमिका निभाने के लिए इन आवश्यक पदों पर नियुक्त किया जा सके।

हम प्रार्थना में मित्र सुसचार प्रार्थना दल के साथ आपकी शानदार भागीदारी और मिशन का समर्थन करने के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। आप सभी को हमारी प्रार्थनाओं में याद किया जाता है। आपकी प्रार्थनाएँ हमें वंचित भारतीयों तक पहुँचने में मदद करेंगी। प्रभु आप सबों के साथ रहे।

परमेश्वर के मिशन में आपका साथी सेवक

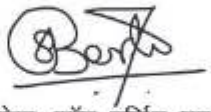

रेव्ह. जॉन बर्लिन एस.

FINANCE DEPARTMENT

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Vijayalakshmipuram, Ambattur

Kindly contact us: **fnance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

BARCODE

facilities to send y our offerto

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

समस्त मानव जाति के लिए परमेश्वर का उद्धार

"अतः जब परमेश्वर ने उन्हें भी वही वरदान दिया, जो हमें प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने से मिला था, तो मैं कौन था; जो परमेश्वर को रोक सकता?" – प्रेरित 11:17

जब यरूशलेम में यहूदी मसीहियों और प्रेरितों ने सुना कि पतरस के द्वारा कैसरिया में कुरनेलियुस के घर पर एकत्रित हुए खतनारहित अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाया गया, तो वे शुरू में क्रोधित हुए (प्रेरित 11:1–3)। हालाँकि, जब पतरस ने अपने दर्शन के अनुभव और उन अन्यजातियों में पवित्र आत्मा के प्रकट होने और उनके बपतिस्मा का वर्णन किया, तो सुनने वाले लोग अब सत्य का विरोध नहीं कर सके और परमेश्वर की महिमा करने लगे (प्रेरित 11:18)। फिर उन्होंने उसे स्वीकार कर लिया। अन्यजातियों के लिए उद्धार की परमेश्वर की योजना को स्वीकार किया, और परमेश्वर की योजना को पूरा करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और जैसा कि प्रेरितों के काम में दर्ज है, इसके परिणामस्वरूप सुसमाचार तेजी से कई देशों में फैल गया।

परमेश्वर की योजना को पूरा करने के लिए बाधाओं को तोड़ना

जब हमारे अग्रणी मिशनरीगण झारखंड में मालतो लोगों के बीच में काम कर रहे थे उन दिनों में, संथाल लोगों ने मालतो लोगों के जीवन में परिवर्तन को देखा। आरम्भ में, इन मिशनरियों ने बपतिस्मा चाहने वाले संथाल लोगों को बपतिस्मा देने में संकोच किया, क्योंकि उनका प्राथमिक लक्ष्य मालतो समुदाय के लोगों को सुसमाचार सुनाना था। हालाँकि, पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन का पालन करने और परमेश्वर की व्यापक योजना को समझने के बाद, हमारे मिशनरियों ने संथाल लोगों को सुसमाचार का प्रचार करना आरम्भ किया और उन्हें बपतिस्मा दिया। आज, 120,000 से अधिक संथाल लोग परमेश्वर की ओर मुड़ चुके हैं, जो उनके बीच परमेश्वर द्वारा किए गए महान कार्य का प्रमाण है।

शुद्ध और अशुद्ध पशुओं के दर्शन का पतरस के लिए गहरा महत्व था। ऐसे समय में जब यहूदियों और अन्यजातियों के बीच बहुत बड़ा विभाजन था, सभी लोगों पर पवित्र आत्मा के उंडेलने के माध्यम से यह बाधा दूर हो गई। हम कौन होते हैं जो पवित्र आत्मा की महान योजना की पूर्ति में बाधा डाल सकें? जब कुरनेलियुस के घर में इकट्ठा हुए लोग पवित्र आत्मा से भर गए और बपतिस्मा लिया तो कोई भी मसीही एकता को नहीं रोक सकता था। इसे आत्मा की अगुआई के रूप में पहचानते हुए, कुछ व्यक्तियों ने अन्यजातियों को यीशु मसीह के सुसमाचार

का प्रचार करने के लिए मिशनरी यात्राएँ आरम्भ कीं। पुराने दृष्टिकोणों को त्यागने की उनकी इच्छा ने सुसमाचार को पूरी दुनिया तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया।

परमेश्वर की योजना को पूरा करने में आज्ञाकारिता

धार्मिक नेताओं द्वारा वर्षों तक गुलामी और उत्पीड़न ने यहूदी मानसिकता को गहराई से प्रभावित किया था। यहूदी जो गैर–यहूदी आराधना को त्याग कर अपने देश लौट आए थे, उन्होंने मूसा की व्यवस्था की पुस्तक में बताए गए परंपराओं और सांस्कृतिक प्रथाओं का सख्ती से पालन किया।

जब, एक खतना किए हुए यहूदी विश्वासी पतरस, ने कुरनेलियुस के घर में खतना रहित लोगों के साथ भोजन किया, तो उसने परमेश्वर की दया की दुहाई देकर अपने कार्यों को उचित ठहराया। जब पतरस ने उन सबों को परमेश्वर का वचन का प्रचार किया, तो पवित्र आत्मा उन सभी पर उतरा जो सुन रहे थे, और वे कई भाषाओं में बोलने लगे। पतरस ने इस बात पर जोर दिया कि यह पवित्र आत्मा का प्रत्यक्ष कार्य था, न कि उसका अपना कार्य। यदि परमेश्वर हमें कुछ लोगों को सुसमाचार सुनाने का भार देता है, तो वह इसे ग्रहण करने के लिए उनके हृदय को भी तैयार करेगा। पवित्र आत्मा उनमें कार्य करेगा।

हमारे कई मिशन क्षेत्रों में, हमने देखा है कि जो लोग आरम्भ में सेवकाई का विरोध करते थे, वे भी अंततः धर्मांतरित हो गए। हमारा कर्तव्य, पतरस की तरह, आत्मा का कार्य करने में उसकी आज्ञा का पालन करना है, और परिणाम बहुत अच्छे होंगे। जैसा कि सभोपदेशक 11:1 में लिखा है, "अपनी रोटी जल के ऊपर डाल दे, क्योंकि बहुत दिन के बाद फिर उसे पाएगा।"

परमेश्वर की इच्छा को पूरी करने के लिए उसका बोझ को बाँटना

परमेश्वर किसी भी व्यक्ति, समूह या राष्ट्र के प्रति पक्षपात नहीं करता। जैसा कि प्रेरितों के काम 10:34–35 में पतरस ने कहा, "परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता, वरन् हर जाति में जो जो उससे डरता और धर्म के काम करता है, वह उसे भाता है।" यहूदी विश्वासियों को यह महसूस करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि परमेश्वर के पास अन्यजातियों को भी बचाने की योजना है। आज, मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल के माध्यम से लगभग 266 जातीय समूहों के बीच सुसमाचार का प्रचार किया जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारे देश में परमेश्वर की योजना पूरी हो रही है।

जैसा कि 1पतरस 4:10 में लिखा है, हमें अपने वरदानों का उपयोग दूसरों की सेवा करने के लिए करना चाहिए, तथा ईमानदारी से परमेश्वर के अनुग्रह का प्रबंधन करना चाहिए। चाहे हमारा कोई भी बुलाहट हो, हम जरूरतमंद लोगों के साथ सुसमाचार को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि ऐसे लोग हैं जिनसे हम प्रतिदिन मिलते हैं जो परमेश्वर को नहीं जानते, तो वे हमारे मिशन क्षेत्र हैं। हमारा कार्य उन्हें यीशु मसीह से परिचित कराना है। जैसा कि पौलुस 2तीमुथियुस 4:2 में कहता है, "वचन का प्रचार कर, समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उलाहनादे और डाँट और समझा। 1कुरिन्थियों 9:16 यदि मैं सुसामचार सुनाऊँ, तो मेरे लिए कुछ घमण्ड की बात नहीं; क्योंकि यह तो मेरे लिए अवश्य है। यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ तो मुझ पर हाय। ये आयतें हमें दूसरों के साथ सुसमाचार साझा करने के लिए प्रेरित करती हैं।

क्या मैं सुसमाचार के लिए रूकावट हूँ?

हो नहीं सकता कि ठोकरे न लगें, परन्तु हाय, उस मनुष्य पर जिसके कारण वे आती हैं! (लूका 17:1)। क्या हमारी भाषा, रंग, जाति या संस्कृति दूसरों को परमेश्वर के सुसमाचार की घोषणा करने में बाधा है? क्या हम दूसरों के साथ वैसा

ही व्यवहार करते हैं जैसा परमेश्वर हमारे साथ करता है? हम जो प्रतिदिन परमेश्वर के प्रेम, दया, अनुग्रह और क्षमा को प्राप्त करते हैं और उसका आनंद लेते हैं, उन्हें दूसरों के साथ उदारतापूर्वक साझा करते हैं। मसीही होने के नाते, हमें व्यक्तिगत अभिमान से आगे बढ़ना चाहिए जो दूसरों के आध्यात्मिक विकास में बाधा डालता है। पवित्र आत्मा की अंतर्निहित शक्ति के बिना, हम परमेश्वर के लिए कुछ भी सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर सकते। परमेश्वर हमारे साथ कभी कठोरता नहीं करता। इसलिए, जैसा मसीह ने परमेश्वर की महिमा के लिए तुम्हें ग्रहण किया है, वैसे ही तुम भी एक दूसरे को ग्रहण करो। (रोमियों 15:7)।

यदि हमारी व्यक्तिगत प्राथमिकताएँ, आदतें, स्थिति या आत्म–धार्मिकता बाधाएँ बन जाती हैं, तो पवित्र आत्मा हमारे द्वारा कार्य नहीं कर सकता। हमें अपने जीवन के हर पहलू को मसीह के उदाहरण के अनुसार मापना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी वाणी, व्यवहार और दृष्टिकोण दूसरों के लिए बाधा न बनें।

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, हमें ईश्वर के हाथों में सुसमाचार का प्रचार करने और नए विश्वासियों तथा विश्वास में कमजोर लोगों को परमेश्वर में बढ़ने में मदद करने के लिए प्रभावी साधन बनने की जरूरत है। आईए हम परमेश्वर के उद्धार की योजना को पूरा करने के लिए स्वयं को पूरी तरह से समर्पित करें, ताकि हर एक घुटना झुके और हर एक जीभ अंगीकार करे कि यीशु मसीह ही प्रभु है, जिससे परमेश्वर पिता की महिमा हो।

रेव्ह. टिंग्यू जेम,
मिशनरी, झारखंड

परमेश्वर की अनुग्रह से 6 वर्षों के बाद, त्रिची से हम 22 लोगों का एक समूह 25 जुलाई को रवाना हुआ और 28 तारीख को बरहरवा पहुँचा। उस दिन, अमरापाड़ा मिशन क्षेत्र के फतेहपुर गाँव में प्रोफेसर डॉ. गॉडविन प्रेम सिंह के परिवार द्वारा निर्मित, "चर्च–आधारित प्रशिक्षण केंद्र" का समर्पण समारोह आयोजित किया गया था। 29 तारीख को, हमने छात्रावासों और दैनिक सेवा केंद्रों का दौरा किया और मिशन क्षेत्रों में आयोजित आध्यात्मिक सभाओं में भाग लिया। 30 और 31 जुलाई को, हमने झारखंड में सेवा करने वाले मिशनरियों के साथ उपवास और प्रार्थना की। यह वास्तव में एक आशीषमय क्षण था। त्रिची से प्रार्थना समूह के वरिष्ठ अगुवे श्री सोलोमन राज, अपनी पत्नी, श्रीमती एस्तेर सोलोमन राज के साथ, एक परिवार के रूप में शामिल हुए और वे वहाँ हो रहे सेवकाई को देखकर अति प्रसन्न हुए। पूरी टीम ने मिशनरियों की कड़ी मेहनत और समर्पण को देखा, जिसने उन्हें मिशनरी कार्य का भार उठाने के लिए गहराई से प्रेरित किया। उन्होंने प्रार्थना करने और अधिक समर्थन देने का संकल्प लिया। हम 3 अगस्त की सुबह त्रिची लौट आए। हेल्लेलुय्याह!

रेव्ह. मणिमारन – अंचलीय सचिव, त्रिची

चिल्ली कलीसिया का इतिहास

(घाटमपुर कार्य क्षेत्र, कानपुर क्षेत्र, उत्तरी आंचल, उत्तरी क्षेत्र)

चिल्ली उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर जिले की घाटमपुर तहसील में स्थित एक मध्यम आकार का गाँव है। चिल्ली गाँव में उत्तर प्रदेश की तुलना में साक्षरता दर अधिक है। भारत के संविधान और पंचायती राज अधिनियम के अनुसार, चिल्ली गाँव का प्रशासन सरपंच (गाँव का मुखिया) द्वारा किया जाता है, जो गाँव का निर्वाचित प्रतिनिधि होता है। कानपुर नगर के चिल्ली गाँव में अनुसूचित जाति की पर्याप्त आबादी है। चिल्ली गाँव में वर्तमान में कोई अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) की आबादी नहीं है।

आरम्भः

घाटमपुर मिशन क्षेत्र मार्च 1991 में खोला गया था। घाटमपुर मिशन क्षेत्र के अग्रणी मिशनरी रेव्ह. अजर्याह राज कुमार और रेव्ह. राजा एडविन मोसेस थे। अप्रैल 1993 में मिशनरी रेव्ह. पीटर हरिराम के कार्यकाल के दौरान चिल्ली गाँव में सुसमाचार के बीज बोए गए थे। परन्तु 1999 में मिशनरी रेव्ह. सी. आर. जॉर्ज के कार्यकाल के दौरान बीज अंकुरित होकर फलवन्त हुए। रेव्ह. सी. आर. जॉर्ज और स्थानीय प्रचारक, श्री सुरेंद्र कुमार आउटरीच सेवकाई के लिए चिल्ली गाँव गए। वे श्री राम साही के घर पर रुके जो कुछ बच्चों को ट्यूशन पढ़ा रहे थे। उन्होंने उसे यीशु मसीह के बारे में बताया और उसे पढ़ने के लिए कुछ सुसमाचार साहित्य दिए। जैसे ही उसने सुसमाचार साहित्य पढ़ना शुरू किया, उसे मसीह के उद्धारक ज्ञान के बारे में पता चला। उस दिन चिल्ली गाँव के कई दर्शकों ने उनके माध्यम से सुसमाचार सुना।

श्री राम साही – प्रथम विश्वासीः राम साही को बचपन से ही एक दुष्ट आत्मा सताया करता था। इससे मुक्ति की उसे सख्त जरूरत थी। उसने सुसमाचार के पैकेट पढ़ना जारी रखा और उसने बपतिस्मा लेने का फैसला किया। 29.1. 2000 को उसे और उसकी पत्नी को मिशनरी, रेव्ह. सी.आर. जॉर्ज द्वारा सुखापुर गाँव में बपतिस्मा दिया गया। उसने घाटमपुर में कच्चा चर्च जाना शुरू कर दिया। हालाँकि तुरंत नहीं, परन्तु उसे धीरे–धीरे दुष्ट आत्मा से मुक्ति मिल गई। इस मुक्ति ने उसे अपने साथी ग्रामीणों को मसीह के बारे में बताने के लिए प्रेरित किया। मसीह को स्वीकार करने के बाद परमेश्वर ने उसके जीवन में कई और चमत्कार किए।

सितंबर 2000 में शारदा नामक एक अन्य

महिला को भूत–प्रेत के कब्जे से मुक्ति मिली। 29.9.2000 को शारदा, बाल गोविंद और उनकी माँ के साथ चिल्ली गाँव के 6 अन्य लोगों को घाटमपुर में श्री सी.आर. जॉर्ज ने बपतिस्मा दिया। रविवार की आराधना के लिए विश्वासी घाटमपुर चर्च आए। सितंबर 2000 से, हर रविवार शाम को विश्वासी रात की बैठक के लिए पहले विश्वासी के घर पर इकट्ठा होने लगे। विश्वासियों ने खुद ही रात्रि सभा आयोजित की। पहली सभा में 15 लोगों ने भाग लिया। वर्ष 2000 में, चिल्ली गाँव के कुल 26 लोगों ने मसीह को स्वीकार किया और बपतिस्मा लिया।

कलीसिया का विकास

कलीसिया का प्राचीन, श्री राजेश: "मेरी माँ के निधन के बाद, मैं लगातार बुखार से पीड़ित रहता था। मैंने बहुत सारी दवाइयाँ ली और उपचार करवाया। मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि इस दुनिया में कोई भी मुझे ठीक नहीं कर सकता। मेरे एक साथी ग्रामीण और एक विश्वासी, श्रीमती रानी ने मुझे पढ़ने के लिए एक बाइबल दी और मुझे घाटमपुर चर्च में ले गईं। बाइबल प्राप्त करने के पहले दिन, मैंने 3 पृष्ठ पढ़े। उसी दिन, मुझे बुखार से राहत मिली। मुझे एहसास हुआ कि चूँकि यह "पवित्र बाइबल" थी, इसलिए इसमें वास्तव में मुझे ठीक करने की शक्ति थी। परन्तु बाद में बुखार ने मुझे फिर से जकड़ लिया। मेरी पत्नी ने मुझे फिर से बाइबल पढ़ने की सलाह दी क्योंकि इसमें सामर्थ्य है। मैंने 40 पृष्ठ पढ़े और मसीह के बारे में और अधिक जाना। मैंने घाटमपुर के कच्चे चर्च में जाना शुरू कर दिया क्योंकि चिल्ली गाँव में कोई सत्संग नहीं चलती थी। 2007 में मैंने बपतिस्मा लिया। रेव्ह. पॉल दया सिंह ने मुझे और मेरी पत्नी को बपतिस्मा दिया।"

रामपुर गाँव की विश्वासी श्रीमती विजयकांति और उनके पति रज्जन के 12 वर्षों तक कोई संतान नहीं थे। प्रार्थना के माध्यम से श्रीमती विजयकांति गर्भवती हुईं और उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। इस घटना के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु पर अपना विश्वास रखना शुरू कर दिया। बाद में, चिल्ली गाँव में रविवार की आराधना शुरू की गई और स्थानीय प्रचारक श्री अनिल कुमार ने सेवा का नेतृत्व किया। 2010 में चर्च के निर्माण के बाद, कई पुरानी मण्डलियाँ चिल्ली पादरी के अधिकार क्षेत्र में आ गईं।

कलीसिया की भूमि एवं चर्च निर्माण:

1.7.2009 को, श्री कमलेश कुमार गुप्ता से चर्च निर्माण के लिए चिल्ली गाँव में भूमि खरीदी गई, जिसमें केंद्रीय क्षेत्रीय सचिव, रेव्ह. एन. राजदुरई भी मौजूद थे। चर्च का नाम प्रभु यीशु मसीह सत्संग भवन है। इसकी नींव 4 मार्च 2010 को रखी गई थी। विश्वासियों ने श्रम कार्य में सहायता की। 5 अक्टूबर 2010 को, रेव्ह. इजरायल, PREM सचिव (तिरुनेलवेली) द्वारा चिल्ली चर्च का समर्पण परमेश्वर की महिमा के लिए किया गया। इस कार्यक्रम में परमेश्वर के वचन को रेव्ह. सेल्वाराज, अवैतनिक मोबिलाईजेशन सचिव – नेल्लई ने बाँटा। कार्यक्रम के विशेष अतिथि: रेव्ह. एस. क्रिस्टोफर और येसु कथा दल, और केंद्रीय क्षेत्रीय सचिव– रेव्ह. एन राजदुरई और परिवार भी मौजूद थे। रेव्ह. पॉल दया सिंह चर्च समर्पण के समय इस मिशन क्षेत्र के मिशनरी थे।

मण्डली और समुदाय: चिल्ली मण्डली के सदस्य मीरांपुर, लौकहा, हुसंगापुर, श्रीनगर, कमंडलपुर, उस्मानपुर, मढ़ा, बेंदा, कुतुबुद्दीनपुर, बेहटा, अयोध्यापुर, रामपुर–नवेदी, बम्बुराहा, मुगलपुर, चौबेपुर, शिवदारी, दौलतपुर और चिल्ली गाँवों से आते

हैं। ये सभी पासवान, संखवार, चमार, कोरी, धोबी और पाल समुदाय से हैं।

चिल्ली मण्डली में अद्भुत कार्य एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

- जनवरी 1992 – 20 जनवरी 1992 को चौबेपुर गाँव में द्वितीय चरण की सेवकाई जिसमें 30 लोगों ने भाग लिया था। सभा समाप्त होने के बाद श्री परमेश्वर और उनके रिश्तेदार मिशनरियों के पास आए और सिगरेट का डिब्बा देते हुए कहा कि वे इसका इस्तेमाल दोबारा नहीं करेंगे।
- जनवरी 1996 – बबुरहा गाँव में एक युवक श्री धर्म राज को दौरे पड़ने लगा थे। दौरे पड़ने के कारण वह अपनी आवाज खो बैठा। विश्वासी श्री बाबूराम ने उस युवक को प्रार्थना के लिए मिशनरियों के पास ले गए। जब उन्होंने उसके लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसे उसी क्षण बोलने की शक्ति दी।
- अगस्त 2001 – स्थानीय प्रचारक, श्री ज्ञानेंद्र और महेंद्र मौगलपुर गाँव में प्रचार–प्रसार के लिए गए। राधा नाम की एक महिला 5 साल से लकवाग्रस्त थी। स्थानीय प्रचारकों ने उसके लिए प्रार्थना की और चमत्कारिक रूप से वह चलने लगी। परमेश्वर की स्तुति हो।
- चिल्ली गाँव के श्री राम साही की भैंस बीमार हो गई और उसके मुँह से झाग निकलने लगा था। पशु चिकित्सक तुरंत नहीं आ पाए। इसलिए राम साही और उनके बेटे ने रात 12 बजे तक भैंस के लिए प्रार्थना की। परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनी और भैंस को चंगाई दिया।
- मार्च 2003 – विश्वासी पप्पू की बेटी 4 साल से चलने में असमर्थ थी। एक दिन उसने अपने पिता से पूछा कि क्या वह चल सकती है या नहीं। पिता ने उसे देखा और कहा, "यीशु के नाम पर चलने लग।" लड़की उसी क्षण चलने लगी। परमेश्वर की स्तुति हो।
- फरवरी 2013 – मीरानपुर गाँव के विजयपाल के हाथ और पैर की उँगलियां टेढ़ी हो गई थीं। दौरे पड़ने की वजह से वह ठीक से चल नहीं पाता था। साथ ही, वह जन्म से गूंगा था। दो साल पहले, उसने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और वह नियमित रूप से चिल्ली के चर्च में जाता था। वह चर्च में झाड़ू लगाता था और चटाई बिछाता था और चर्च परिसर के साफ सफाई का काम करता था। वह अधिकतर समय चर्च परिसर में ही बिताता था। उसकी मुड़ी हुई उँगलियां और पैर की उँगलियां सामान्य हो गई हैं और वह बेहतर तरीके से बात करने में भी सक्षम बन गया। उसकी माँ ने गवाही दी कि जिस दिन से उसने मसीह को स्वीकार किया है, उसे दौरे नहीं आते। उसके जरिए एक डॉक्टर के परिवार सहित 3 परिवारों ने मसीह को स्वीकार किया। परमेश्वर की स्तुति हो।

कलीसिया में हर महीने एक बार बुधवार को चिली कलीसिया में उपवास प्रार्थना आयोजित की जाती है। उपवास प्रार्थना का नेतृत्व स्थानीय प्रचारक करते हैं। कुछ विश्वासी स्थानीय प्रचारक के साथ आउटरीच सेवकाई के लिए जाते हैं। हर महीने के पहले रविवार को स्थानीय प्रचारक या मिशनरी द्वारा पवित्र भोज की आराधना आयोजित की जाती है। रविवारीय आराधना संचालन स्थानीय प्रचारक द्वारा किया जाता है। चिली कलीसिया में विश्वासियों की कुल संख्या 319 है। आइए हम अपनी प्रार्थना में इस कलीसिया और इसकी सभी गतिविधियों को बनाए रखें। साथ ही कलीसिया को आत्माओं से भरपूर होने दें।

पथ प्रदर्शक

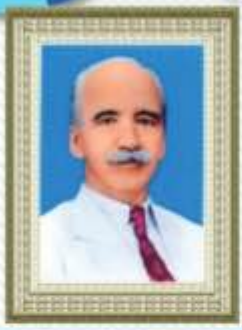

रॉबर्ट सिंक्लेयर

रॉबर्ट सिंक्लेयर का जन्म 15 नवम्बर 1883 को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुआ था। उनके पिता, श्री जॉन सिंक्लेयर, एक राजमिस्त्री थे। कम उम्र में अपने पिता को खोने के बाद, रॉबर्ट को बहुत दुखी हुए और उन्होंने अपने पिता का पेशा अपना लिया। उन्होंने दो वर्षों तक ग्लासगो थियोलॉजिकल कॉलेज में अध्ययन किया और 3 मार्च, 1909 को पादरी के रूप में उनका अभिषेक किया गया। उसी वर्ष, उन्होंने भारतीय राज्य तमिलनाडु के नगरकोइल की यात्रा की। सन् 1910 में, रॉबर्ट ने स्थानीय कलीसिया नगरकोइल में बेस्सी ग्राहम स्मिथ से विवाह किया। बाद में उन्हें मथिकोड और बाद में मार्थांडम में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ उन्होंने 1919 से 1939 तक सेवा की। मार्थांडम में अपने समय के दौरान, रॉबर्ट ने कलीसिया से संबंधित महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं को अंजाम दिया। वे एल.एम.एस. बॉयज स्कूल के कुछ हिस्सों और पूरे गर्ल्स स्कूल के कनर्माण कार्य के पूरा होने के जिम्मेदार थे। जैसे–जैसे विद्यालयों की संख्या बढ़ती गई, वैसे–वैसे शिक्षकों की जरूरत भी बढ़ती गई, इस बात से उन्हें मई 1932 में एक शिक्षक प्रशिक्षण स्कूल स्थापित करने की प्रेरणा मिली।

अपनी पत्नी के खराब स्वास्थ्य के कारण, रॉबर्ट जून 1937 में स्कॉटलैंड लौट आए। दुर्भाग्य से, द्वितीय विश्व युद्ध ने उन्हें भारत लौटने से रोक दिया। एक निपुण वास्तुकार और निर्माणकर्ता, रॉबर्ट ने मार्थांडम में भव्य "स्टोन चर्च" के निर्माण की रूपरेखा तैयार की और उसकी देखरेख की, जिसे 13 मई 1933 को पूरा किया गया और उसका संस्कार किया गया। रॉबर्ट अपनी धर्मपरायणता और ईश्वरीयता के लिए जाने जाते थे। एक बार, उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को माफ कर दिया जिसने उन पर हमला किया था और उस व्यक्ति को नौकरी प्रदान की, जिससे उनकी करुणा और उनके विश्वास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन हुआ। उन्होंने कलीसिया और मार्थांडम और उसके आस–पास के समुदाय की बेहतर भलाई के लिए अथक परिश्रम किया।

रॉबर्ट ने सुसमाचार प्रचार को प्रोत्साहित करने के लिए सुसामचार दल और जागृति दल की शुरुआत की। उन्होंने आउटरीच सेवकाई के लिए एक छोटी बस खरीदी और पुलियानविलगम, कलचंथी, ऐरंडेंगु, सेनिथोटम और केरल जैसे आस–पास के गाँवों का दौरा करने के लिए एक दल का गठन किया। उन्होंने समूह को एक वायलिन और एक जादुई लालटेन भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एक संडे स्कूल शुरू किया, जिसमें छोटे बच्चों को बाइबल की आयतें और सामाजिक नैतिकता सिखाई जाती थी तथा एक गायक मंडल का भी गठन किया गया। मसीहियों एवं गैर–मसीहियों दोनों के लिए एक पुस्तकालय की स्थापना की गई।

स्वरोजगार के लिए तैयार करने को लेकर रॉबर्ट की पत्नी श्रीमती बेस्सी महिलाओं को फीता बुनना सिखाती थीं। उत्पादित वस्त्रों को निर्यात किया गया और प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया तथा कई पुरस्कार भी जीते। स्कॉटलैंड लौटने के बाद, रॉबर्ट ने वहाँ एक चर्च में पादरी के रूप में सेवा की। 12 सितंबर सन् 1946 को उनकी मातृभूमि में उनका निधन हो गया।

मिशनरी जीवनी

पौल गोपालन
(1961-2004)

प्रारम्भिक जीवन

पौल गोपालन केरल के तिरुवेन्द्रम स्थित नेयातिंकारा के रहने वाले हैं। इनका जन्म एक हिंदू माता–पिता के परिवार में 20 अप्रैल 1961 को हुआ था। उन्होंने अपने घर के निकट स्थित एक स्कूल में पढ़ाई की। वे कलीसिया द्वारा संचालित संडे स्कूल में नियमित रूप से भाग लेते थे। उन्होंने संडे स्कूल में यीशु के बारे में और अधिक सीखा। अपनी उच्च विद्यालय की पढ़ाई के बाद, उन्होंने एक पॉलिटेक्निक कॉलेज में दाखिला लिया और वहाँ अपना दो वर्ष का पाठ्यक्रम पूरा किया। फिर, वे रोजगार की तलाश में चेन्नई चले गए। वहाँ वे अपने भाई के घर में रहे, जो चेन्नई के पाड़ी में एक निजी फर्म में कार्यरत थे।

नया जन्म का अनुभव

पॉल गोपालन को भी चेन्नई में नौकरी मिल मिली और उन्होंने चेन्नई शहर में ही अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने कई युवा मित्रों को बनाए, जिन्होंने उन्हें पापपूर्ण आदतों की ओर प्रेरित किया। चूँकि उनके माता–पिता का कोई सीधा नियंत्रण नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी ही इच्छा के अनुसार जीवन जीना शुरू कर दिया; अंततः उन्होंने अपनी शांति और वास्तविक आनंद खो दिया। इस बीच, उनके एक मित्र ने उन्हें युवा लोगों के एक समूह से मिलवाया जो पाड़ी चर्च में इकट्ठा होकर प्रार्थना करते थे। पौल गोपालन इस मसीही संगति से आकर्षित हुए और नियमित रूप से संगति सभाओं में भाग लेने लगे। और वे चेन्नई के पाड़ी में सी.एस.आई. चर्च में रविवार की आराधना सेवा में उनके साथ शामिल हुए। उन्होंने 29 जुलाई सन् 1984 को चेन्नई में आयोजित एक सभा में, यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार किया। श्री साइमन और श्री योगराज ने उन्हें प्रभु में बढ़ने में मदद की और शीघ्र ही वे संडे स्कूल शिक्षक बन गए।

मिशनरी बुलाहट

सन् 1985 में, पौल गोपालन ने मित्र सुसामचार प्रार्थना दल द्वारा चेन्नई में आयोजित एक मिशन चौलेंजिंग सभा में भाग लिया। इस सभा में, उन्हें उन लाखों लोगों के बारे में पता चला, जिन्हें यीशु और सुसमाचार के बारे में सुनने का अवसर नहीं मिला। इस सभा के वक्ता ने एक वेदी की बुलाहट दी, जिसमें युवाओं को मिशनरी के रूप में जाने के लिए अपना जीवन समर्पित करने की चुनौती दी गई, ताकि सुसमाचार का प्रचार किया जा सके और लोगों को अनंत जीवन की ओर ले जाया जा सके। कई युवाओं ने मिशनरी के रूप में जाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया;

और पौल गोपालन उनमें से एक थे। यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

उत्तर भारत में सेवा

पौल गोपालन ने शीघ्र ही मिशनरी के रूप में जाने के लिए एफ.एम.पी.बी. में आवेदन किया। 3 नवंबर 1987 को आयोजित साक्षात्कार में, उन्हें एक क्रॉस–कल्चरल मिशनरी उम्मीदवार के रूप में चुना गया। एफ.एम.पी.बी. ने उन्हें उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद के पास सिवैथ में मिशनरी प्रशिक्षण केंद्र में भेजा। अपने प्रशिक्षण के बाद, उन्हें हिमाचल प्रदेश राज्य में उन लोगों को सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा गया, जिन्होंने सुसामचार को एक बार भी नहीं सुना था। अपने सहकर्मी श्री एडवर्ड ज्ञानामुथु के साथ, उन्होंने हामिदपुर में अपनी सेवकाई आरम्भ की। उन्होंने उस स्थान पर दो साल तक जरूरतमंद लोगों के बीच सेवा की और सुसमाचार का प्रचार किया। पौल गोपालन बहुत लंबे समय से अपचन की समस्या से पीड़ित थे और उनके पेट में दर्द बना रहता था। दिन–ब–दिन यह दर्द बढ़ता गया और अस्पताल में दिए गए उपचार से उनका दर्द कम नहीं हुआ। उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा और वे बहुत कमजोर हो गए। इसलिए, वे बेहतर इलाज के लिए चेन्नई लौट आए।

वैवाहिक जीवन

उन्होंने एक अच्छे अस्पताल में इलाज करवाया और परमेश्वर ने उन्हें चंगाई दी। उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, एफ.एम.पी.बी.ने उन्हें केरल के त्रिवेंद्रम में स्थानांतरित कर दिया। वहाँ वे प्रमोशनल सेक्रेटरी बने और उनका काम नए सदस्यों को ढूँढना, नए प्रार्थना समूहों को स्थापित करना और मिशन के दृष्टिकोण से मसीहियों को प्रेरित करना था। उन्होंने त्रिवेंद्रम क्षेत्र में मसीही कलीसियाओं के बीच मिशनरी को संगठित करने का काम किया। एफ.एम.पी.बी. की सहायता से उनके माता–पिता ने उनके लिए एक उपयुक्त दुल्हन सुश्री रेबेकम्मा को ढूँढा, जो गुजरात में एक क्रॉस–कल्चरल मिशनरी के रूप में प्रभु की सेवा कर रही थीं। उन दोनों का विवाह 19 जुलाई सन् 1993 को चेन्नई में सम्पन्न किया गया। परमेश्वर ने उन्हें एक बेटी दिया है और माता–पिता ने उसका नाम फोएबे (लावण्य) रखा।

अंतिम काल

विवाह के पश्चात उन्हें कोट्टायम मिशन मोबिलाइजेशन मिनिस्ट्री में शामिल होने के लिए कहा गया। उन्होंने मिशन की चुनौतीपूर्ण सभाओं का आयोजन किया तथा प्रार्थनाओं और दान देने के द्वारा मिशन कार्य में शामिल होने के लिए मसीहियों को प्रोत्साहित किया। बाद में पौल गोपालन को फिर से पेट में भयंकर दर्द हुआ और उन्होंने इसके लिए उपचार लेना जारी रखा। वर्ष 2004 में उनके पेट में असहनीय दर्द के कारण उन्हें इलाज के लिए वेल्लोर के सी.एम.सी में भर्ती कराया गया। डॉक्टरी जाँच में पता चला कि उनके गुर्दे बहुत अधिक प्रभावित हो चके हैं और ठीक रीति से काम नहीं कर रहा है। डॉक्टरों का दल ने उन्हें बेहत्तर इलाज की पूरी कोशिश की। परन्तु उनकी हालत बिगड़ती गई। अंततः 4 जून सन् 2004 को, वे अपनी पत्नी और बेटी को छोड़कर स्वर्गीय महिमा में प्रवेश किए। फिर उनके शरीर को केरल में उनके मूल स्थान पर ले जाकर पुनरुत्थान की आशा के साथ दफनाया गया।

यद्यपि वे इस दुनिया में बहुत कम समय तक जीवित रहे, परन्तु उन्होंने परमेश्वर द्वारा उन्हें दी गई सेवा के माध्यम से पूरी ईमानदारी से प्रभु की सेवा की। उनकी पत्नी ने चेन्नई में मोबिलाइजेशन सेवा को जारी रखा और उनकी बेटी फोएबे ने अपनी डिग्री पूरी की और अब वह विवाहित है। आइए हम इस परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण रखें।

रेव्ह. डॉ. ई. राजन

पवित्र आत्मा

पवित्र आत्मा को पवित्र त्रिएकता का तीसरा व्यक्ति माना जाता है, साथ ही परमेश्वर पिता और परमेश्वर पुत्र (यीशु मसीह) भी। पवित्र त्रिएकता ईश्वर की प्रकृति की मसीही समझ है, जो एक दिव्य सार में तीन अलग–अलग व्यक्तियों के रूप में है। पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।" (प्रेरित 2:38)

पवित्र आत्मा की शक्ति के माध्यम से, विश्वासियों को बचाया जाता है, भरा जाता है, मुहर लगाई जाती है और पवित्र किया जाता है। पवित्र आत्मा परमेश्वर के विचारों को प्रकट करता है, सिखाता है, और विश्वासियों को सभी सत्यों में मार्गदर्शन करता है, जिसमें आने वाले समय का ज्ञान भी शामिल है। पवित्र आत्मा मसीहियों को उनकी कमजोरियों में भी मदद करता है और उनके लिए मध्यस्थता करता है।

पवित्र आत्मा: पवित्र आत्मा या दिव्य आत्मा, परमेश्वर है, पवित्र त्रिएकता का तीसरा व्यक्ति, जो हमेशा पिता से "आगे बढ़ता है" (यूहन्ना 15:26)। पवित्र आत्मा पिता और पुत्र के साथ समान है। शब्द "आत्मा" का सामान्य रूप से ग्रीक न्यू टेस्टामेंट शब्द न्यूमा से अनुवाद किया गया है।

पवित्र आत्मा का कार्य: आत्मा हर सच्चे मसीही के अंदर निवास करती है। वफादार मसीहियों का देह उसका मंदिर बन जाता है (1कुरिन्थि 3:16)। उसे 'परामर्शदाता' या 'सहायक' (ग्रीक में पैराक्लेट, जो उन्हें सत्य के मार्ग पर चलाता है) के रूप में वर्णित किया गया है। 'आत्मा का फल' (उसके कामों का परिणाम) 'प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम" है (गलति 5:22)। ऐसा माना जाता है कि आत्मा दान (प्राकृतिक और अलौकिक) भी देती है, मसीहियों के लिए यह एक वरदान है, जैसा कि मसीह और उनके शिष्यों के जीवन में पाया जाता है, जिसके द्वारा वे बीमारों को चंगा करते, मृतकों को जिलाते तथा अन्य कार्य करते हैं।

पवित्र आत्मा को अक्सर दुनिया में और विश्वासियों के जीवन में परमेश्वर की सक्रिय उपस्थिति के रूप में वर्णित किया जाता है। पवित्र आत्मा विभिन्न भूमिकाओं और कार्यों से जुड़ी हुई है, जिनमें शामिल हैं:

सांत्वनादाता / अधिवक्ता / सहायक: पवित्र आत्मा को विश्वासियों के लिए सांत्वना और सहायता के स्रोत के रूप में देखा जाता है (यूहन्ना 14:26)। ऐसा माना जाता है कि मुसीबत या जरूरत के समय पवित्र आत्मा विश्वासियों का मार्गदर्शन करने, शक्ति तथा सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा साथ रहती है।

शिक्षक / मार्गदर्शक: पवित्र आत्मा का काम विश्वासियों को यीशु मसीह की शिक्षाओं को समझने और उनके अनुसार जीने की शिक्षा देना और उनका मार्गदर्शन करना है। इसमें विश्वासियों को शास्त्रों की व्याख्या करने और उन्हें अपने जीवन में लागू करने में मदद करना शामिल है।

दोषसिद्धि: पवित्र आत्मा को अक्सर व्यक्तियों को उनके पापों का बोध कराने, उन्हें पश्चाताप की ओर ले जाने तथा परमेश्वर की ओर मुड़ने के रूप में देखा जाता है।

सशक्त बनाना: ऐसा माना जाता है कि पवित्र आत्मा विश्वासियों को मसीही जीवन जीने के लिए सशक्त बनाता है, उन्हें सेवा के लिए आध्यात्मिक वरदानों से सुसज्जित करता है और उन्हें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीवन जीने में सक्षम बनाता है।

पवित्र आत्मा और यीशु मसीह: मसीही धर्मशास्त्र में, यीशु मसीह और पवित्र आत्मा के बीच का संबंध त्रिएकत्व के सिद्धांत का एक केंद्रीय पहलू है। त्रिएकत्व यह समझ है कि ईश्वर तीन अलग–अलग व्यक्तियों के रूप में मौजूद है – पिता, पुत्र (यीशु मसीह) और पवित्र आत्मा – फिर भी ये तीनों व्यक्ति एक ईश्वर हैं। बाइबल इस संबंध को समझने का प्राथमिक स्रोत है, और जबकि बाइबल में "त्रिएकत्व" शब्द का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, यह अवधारणा विभिन्न अंशों से ली गई है।

यीशु के बपतिस्मा के समय यीशु और पवित्र आत्मा: यीशु का बपतिस्मा यीशु और पवित्र आत्मा के बीच के रिश्ते को उजागर करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना में त्रिएकता के तीनों व्यक्ति मौजूद हैं। मत्ती 3:16–17: "जैसे ही यीशु ने बपतिस्मा लिया, वह पानी से बाहर आया। उसी क्षण स्वर्ग खुल गया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर की तरह उतरते और अपने ऊपर आते देखा। और स्वर्ग से एक आवाज आई, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, मैं उससे अति प्रसन्न हूँ।"

पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा: क्रूस पर चढ़ने से पहले, यीशु ने अपने शिष्यों से पवित्र आत्मा के आने की प्रतिज्ञा की थी। यूहन्ना 14:16–17: "मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे। अर्थात् सत्य का आत्मा।"

पवित्र आत्मा का कार्य: यीशु ने समझाया कि अपने जाने के बाद विश्वासियों को सशक्त बनाने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए पवित्र आत्मा आएगा। यूहन्ना 16:7: "परन्तु मैं तुम से सच सच कहता हूँ, कि मेरा जाना तुम्हारे लिए अच्छा है, क्योंकि यदि मैं न जाऊँ, तो वह सहायक तुम्हारे पास न आएगा; परन्तु यदि मैं जाऊँगा, तो उसे तुम्हारे पास भेजूँगा।"

महान आदेश: महान आदेश में, यीशु अपने शिष्यों को पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देने का निर्देश देता है, जिसमें तीनों व्यक्तियों की एकता पर जोर दिया गया है। मत्ती 28:19: "इसलिए जाओ और सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा दो।"

पिन्तेकुस्त: पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा शिष्यों पर सामर्थ्य के साथ उतरा, जिससे यीशु की प्रतिज्ञा पूरी हुई। प्रेरितों के काम 2:1–4: "जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। एकाएक आकाश से बड़ी आँधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उससे सारा घर जहाँ वे बैठे थे, गूँज गया। और उन्हें आग की जीभें फटती हुई दिखाई दीं और उनमें से हर एक पर आ ठहरीं। वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस तरह आत्मा ने उन्हें बोलने की शक्ति दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे।"

हमारे जीवन में पवित्र आत्मा की 10 भूमिकाएँ

निम्नलिखित दस तरीके हैं जिनसे पवित्र आत्मा विश्वासियों के जीवन में कार्य करता रहता है:

1. पवित्र आत्मा एक सहायक है जो सिखाता और स्मरण दिलाता है (यूहन्ना 14:26)
2. वह संसार को पाप का दोषी ठहराता है (यूहन्ना 16:7–8)
3. पवित्र आत्मा विश्वासियों में वास करता है और हमें भरता है (1कुरिन्थियों 3:16)
4. वह रहस्योद्घाटन, बुद्धि और शक्ति का स्रोत है (1कुरिन्थि 2:10–11, प्रेरित 1:8, इफिसियों 1:17–20)
5. वह आनेवाली सारी सच्चाई और ज्ञान की ओर हमारा मार्गदर्शन करता है (यूहन्ना 16:13–15, यूहन्ना 16:13)
6. पवित्र आत्मा विश्वासियों को आत्मिक वरदान देता है (1कुरिन्थि 12:7–11)
7. वह विश्वासियों के जीवन में एक छाप है (इफिसी 1:13)
8. वह निर्बलता में हमारी सहायता करता है और हमारे लिए मध्यस्थता करता है (रोमियों 8:26–27)
9. वह विश्वासियों को नया बनाता है और अनन्त जीवन प्रदान करता है (रोमियों 8:10–11)
10. पवित्र आत्मा हमारे जीवन को पवित्र करता है और अच्छे फल को संभव बनाता है (गलति 5:16–21)

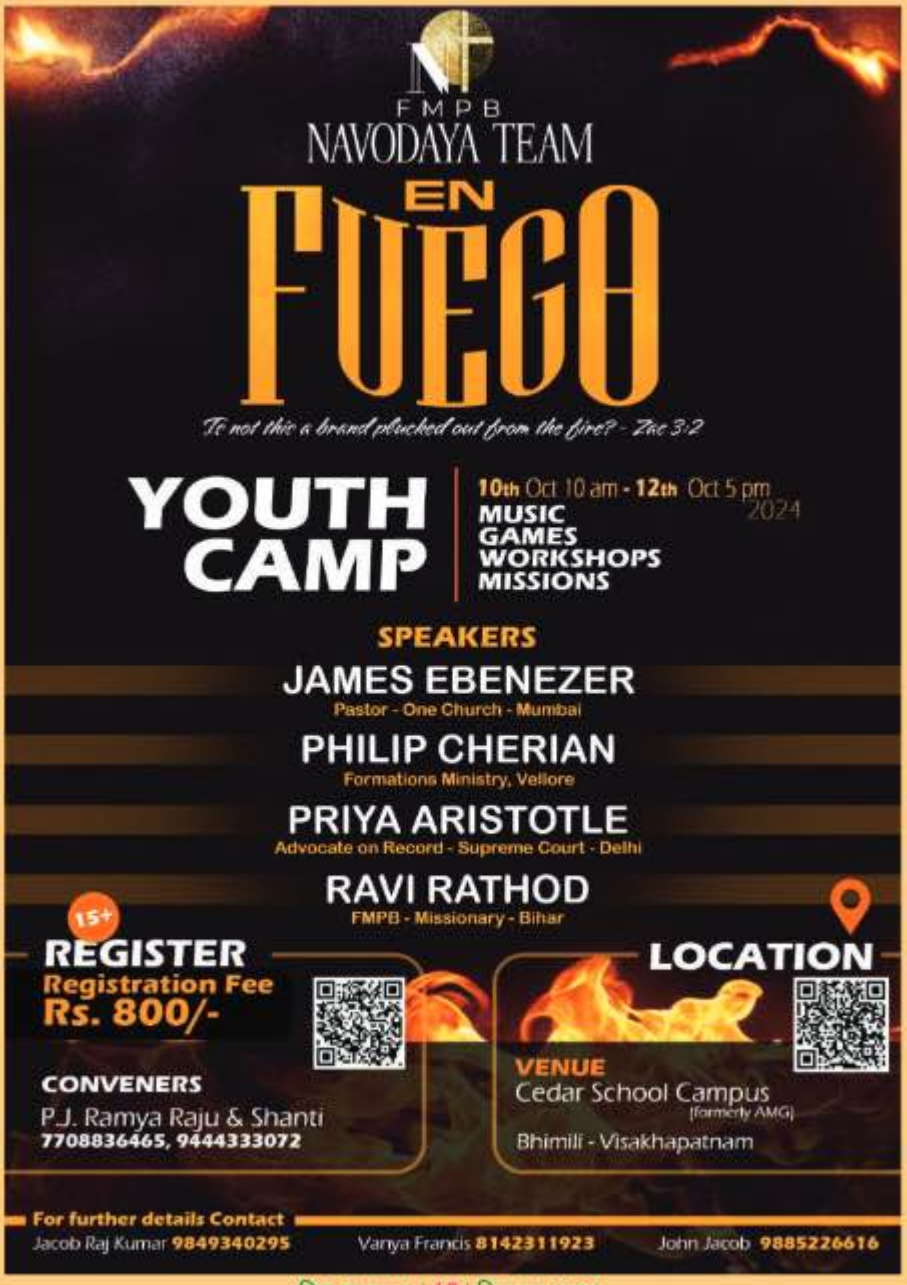
FMPB
NAVODAYA TEAM
EN
FUEGO
Is not this a brand plucked out from the fire? - Zac 3:2
YOUTH CAMP
10th Oct 10 am - 12th Oct 5 pm
2024
MUSIC
GAMES
WORKSHOPS
MISSIONS
SPEAKERS
JAMES EBENEZER
Pastor - One Church - Mumbai
PHILIP CHERIAN
Formations Ministry, Vellore
PRIYA ARISTOTLE
Advocate on Record - Supreme Court - Delhi
RAVI RATHOD
FMPB - Missionary - Bihar
15+
REGISTER
Registration Fee
Rs. 800/-
LOCATION
CONVENERS
P.J. Ramya Raju & Shanti
7708836465, 9444333072
VENUE
Cedar School Campus
(formerly AMG)
Bhimili - Visakhapatnam
For further details Contact
Jacob Raj Kumar 9849340295
Vanya Francis 8142311923
John Jacob 9885226616

जन्मदिन मुबारक

श्री विंसेंट प्रेमराज

जम्मू एवं कश्मीर

नौशेराः सियानलुन्थांग जोउ एवं लिंगनेइहोई; सैक शुबानी एवं एमी बैक्या

स्तुति : 2 व्यक्तियों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया है और उनके शिष्य बन गए हैं। जोगसपुर और बट्टा गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार किया गया। 20 स्थानों पर यीशु की फिल्म दिखलाई गई। विश्वासियों को आत्मा विजेता प्रशिक्षण दिया गया, जिससे कि वे अपने रिश्तेदारों के साथ सुसमाचार साझा कर सकें। हरमगिरी गाँव में रविवार की नई एक आराधना सेवा शुरू की गई है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि त्रिवेंद्र सिंह मुंह के कैंसर से और मिथरी देवी को दाहिना हाथ की असमर्थता से चंगाई मिले तथा बोलिदेवी जो अपने सिर को बेकाबू तरीके से हिलाती हैं, उसकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। झूठे उपदेशकों के पश्चाताप के लिए और विश्वासियों के पाखंड से भटकने से बचने के लिए प्रार्थना करें। धार्मिक आतंकवादियों के लिए प्रार्थना करें जो जाजोरी क्षेत्र में सुसमाचार प्रचार के लिए एक बड़ी बाधा साबित होते हैं। विश्वासियों के बच्चे अर्चना, कला, साजन और साक्षी के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें उपयुक्त विश्वासी जीवनसाथी मिल सके।

हिमाचल प्रदेश

नेरवा : इम्मानुएल एवं संगीता

स्तुति : पंगल गाँव में पहली बार आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 11 बच्चों ने भाग लिया। मसीही कार्यों का विरोध करने के लिए धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा आयोजित सभा को ईश्वरीय हस्तक्षेप द्वारा रद्द कर दिया गया। परमेश्वर ने हमारे मिशनरी परिवार को एक बाघ से मुठभेड़ में बचाया जब वे अपने सेवकाई को पूरा करने के बाद रात में घर वापस लौट रहे थे। परमेश्वर की कृपा से नारायण सिंह को अपने खिलाफ चल रहे विरोध के बीच अपने घर को अपने विश्वास के कारण समर्पित करने में सक्षम बनाया।

प्रार्थना : नेरवा गाँव में एक स्वतंत्र मिशन के सुसमाचार प्रचारक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस क्षेत्र में सेवकाई करने वाले चेन्नई के एक मिशनरी परिवार को हिरासत में लेने के लिए पुलिस में एक याचिका दी गई है; प्रार्थना करें कि प्रभु इस पर हस्तक्षेप करे और ऐसे कार्यों को रोके। बिपला गाँव के किरण की पत्नी को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। डुंगलाज गाँव के उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जिन्हें अपने मूल धर्म में वापस लौटने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मसीही धर्म का विरोध करने वालों के लिए प्रार्थना करें, ताकि वे हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चख सकें। प्रार्थना करें कि आने वाले दिनों में सौपल, जिग्निवल और गुपवी गाँव में सुसमाचार की घोषणा हो। इन प्रयासों के सफल होने और विश्वासियों द्वारा रविवार की आराधना सेवाओं में भाग लेने को महत्व दें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अंजना मसीह सत्य प्रकाश

रामपुरः दोउ जापाओ एवं फ्लोरेंस लाम्बुंग

स्तुति : बौद्ध धर्म से जुड़े कन्नारी गाँव के तेजमिन हमारे चर्च की आराधना सेवा में शामिल हुआ। अपने कर्मचारियों के अचानक नौकरी छोड़ने के कारण, एक रेस्तरां चलाने वाले डालमिया को तीन दिनों के लिए अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा। हालाँकि, परमेश्वर ने उन्हें नए संसाधन खोजने और अपना व्यवसाय जारी रखने में सहायता प्रदान की। जब गोल्थी गाँव की रुंजिया खेत में बेहोश हो गई, तब उसके बेटे ने तुरंत स्थानीय प्रचारक से प्रार्थना करने के लिए संपर्क किया और जब उसने प्रार्थना की, तो रुंजिया को होश आ गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि तेजमिन के भाई राजेश को किडनी की बीमारी से चंगाई मिले। रामकली के परिवार में शांति बनी रहे जो लगातार एक–दूसरे से लड़ते रहते हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर ज्योतिषी विल्लिदुथ को स्पर्श करें जो अपनी झूठी भविष्यवाणियों के द्वारा अज्ञानी लोगों को अपने चंगुल में फंसाया हुआ है। उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो सभी प्रशिक्षण और उपदेशों के बावजूद दूसरों को सुसमाचार साझा करने से डरते हैं, ताकि वे अपने डर पर काबू पा सकें।

थानेदारः जेबर्सन एवं गायत्री

स्तुति : 20 गाँवों में प्रार्थना यात्रा आयोजित की गई। रविवार की आराधना सेवा के बाद आयोजित वयस्क साक्षरता कार्यक्रम में उत्साही ग्रामीणों का एक बड़ा समूह शामिल हुआ। पल्लपट्टी गाँव की आयशा को दुष्ट आत्मा के कब्जे से मुक्ति मिली। कलीसिया के अगुवों का आध्यात्मिक विकास प्रशिक्षण महीने के हर दूसरे और चौथे सप्ताह में सतर्कता के साथ आयोजित किया जा रहा है।

प्रार्थना : पल्लती और सम्माला गाँव में रात्रि प्रार्थना सभाएँ शुरू करने के लिए किए गए प्रयासों के सफल होने के लिए प्रार्थना करें। विश्वास में नए आए 8 लोगों के आध्यात्मिक विकास के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि अपने 6 वर्षीय बेटे को खोने से दुखी अनमोल के परिवार को सांत्वना मिले। सेवकाई के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध स्थानीय प्रचारकों की खोज हा सके।

रिकोंगपिओ : ए. शंकर एवं रूथ मैरी

स्तुति : मीरा ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। भीमादेवी और बिंद्रा ने चर्च में आना शुरू कर दिया है। 4 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया और 2 अन्य गाँवों में सुसमाचार प्रचार सभा का आयोजन किया गया। लंबे समय से लकवाग्रस्त पवन कुमार चंगाई मिली और अब वह चलने में सक्षम है।

प्रार्थना : रमेश, रोशन, कर्मनसिंह, पूनल के लिए अपने ईसाई धर्म को सार्वजनिक रूप से घोषित करने के लिए। हीरा, दिनेश और बागथसंद के लिए हृदय रोग से मुक्ति पाने के लिए। रणजी के परिवार को संतान का आशीर्वाद मिले। एक 7 वर्षीय बच्चे के लिए प्रार्थना करें जो जेसीबी मशीन के टायर के गिरने से घायल हो गया था, वह पूरी तरह से ठीक हो जाए।

जन्मदिन मुबारक

श्री एगलैवन जेम्स के.
श्रीमती चिंग होइह किम गिन सॉम
श्री बेन जे एंथ्रेयोस

पंजाब

अहमदगढ़ मंडी :

कृपा रक्षणा एवं शकिना

स्तुति : एक व्यक्ति ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। लंबे समय से अस्थमा से पीड़ित रोगिड़ा गाँव के लवप्रीत को विश्वासियों की निरन्तर प्रार्थना के द्वारा चंगाई पाया और इसकी चिकित्सा रिपोर्ट में हुई है। गैर–विश्वासी माता–पिता के 50 बच्चों ने तालोर और जगारा गाँवों में आयोजित बच्चों के रिट्रीट कार्यक्रम में भाग लिया। रोगिड़ा गाँव में एक नई आराधना दल का गठन किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि अहमदनगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आयोजित दो दिवसीय विश्वासियों का सम्मेलन फलदायी हो। गुरुप्रीत और नेहा के पतियों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो उन्हें चर्च में जाने से रोकते हैं। हरजीत कौर की सफलता के लिए प्रार्थना करें जिसने पुलिस भर्ती परीक्षा लिखी है। विश्वासी कनिथा, प्रेमजीत, कृष्णा, जसप्रीत और सीमा के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास से पीछे हट गए हैं ताकि वे पश्चाताप करें और मसीह कीसंगति में वापस लौटें।

बुधलाड़ा क्षेत्र :

नाबा हमोम एवं दुलंती

स्तुति : सुसमाचार प्रचार कार्यक्रमों और सत्संगों के माध्यम से, 1200 लोगों के साथ सुसमाचार साझा किया गया और कई ट्रैक्ट वितरित किए गए। उपवास प्रार्थनाओं के माध्यम से, धर्मस सिंह और सरनजीत कौर के परिवारों में व्याप्त कलह, जो उन्हें तलाक की स्थिति तक आ गई थी, सुलझ गई है और अब वे शांतिपूर्वक सुलह करके जीवन जी रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नियोजित सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम और ट्रैक्ट वितरण सफल हो। हरप्रीत सिंह के लिए प्रार्थना करें जो पिछले 2 वर्षों से लापता है सुरक्षित वापस मिले और उसके परिवार की प्रार्थनाएँ सुनी जाएँ। प्रार्थना करें कि नंदगर, सकपाक्सो, किलकलां और यथरी गाँवों में नए लोगों से संपर्क स्थापित किए जाएँ। नेहा और रोहित परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार करने में आने वाली बाधाएँ दूर हों।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मलंगमेइ सनालुंग डिटुंगबोऊ

जैतो : चितारंजन तांडी एवं तेजस्विता

स्तुति : 11 लोगों ने अपने पुराने पापमय जीवन को त्यागकर मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। सुसमाचार का प्रचार किया गया और लगभग 410 लोगों को पर्चे वितरित किए गए। हरस और करण को बुरी आत्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। बसकाना गाँव में चर्च एल्डर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई थी। बिटूसिंह जो अपने विश्वास से पीछे हट गया था वह पश्चाताप करके फिर से प्रभु में पास वापस आ गया है।

प्रार्थना : मिल्कीत सिंह, पप्पू सिंह, अमनदीप और मंदर सिंह के लिए प्रार्थना करें जिन्हें अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं ताकि वे जल्द ही विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो सकें। दरसम सिंह, कक्का सिंह, बिटू सिंह और राजी सिंह के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो शराब और नशीली दवाओं की लत के कारण अपने घरों में गरीबी और शांति की कमी का सामना कर रहे हैं ताकि वे मसीह में शांति पा सकें। वंदना, सुमन और कलुवा के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों को अपने मसीही धर्म को त्यागकर अपने मूल धर्म में लौटने के लिए मजबूर करते हैं, वे पश्चाताप करें और यीशु मसीह के प्रेम का अनुभव करें।

बटाला : बलवी नेता जी एवं कल्पना

स्तुति : कलवी और कोट्टाला गाँवों में लगभग 630 लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। जब 50 वर्षीय गोल्डी को तीसरी बार दिल का दौरा पड़ा, तो डॉक्टरों ने उसे केवल 70 दिन का समय दिया। उसे जीने के लिए बस कुछ ही घंटे बचे थे। हालाँकि, विश्वासियों ने उसके लिए हृदय से प्रार्थना की और प्रभु ने अपनी दया से उसकी आयु बढ़ा दी। अंजना और रोशन को प्रार्थनाओं के द्वारा संक्रामक बीमारी से मुक्ति मिली। चर्च कमेटी के सदस्य साली को परमेश्वर ने एक बड़ी दुर्घटना से बचाया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि इलाज के बावजूद बुखार से पीड़ित सुवेदा को प्रभु की ओर से चंगाई मिले। शमा को आँख की बीमारी, सुगीबाई और उसके बेटे पंजाब सिंह को गुर्दे की बीमारी से चंगाई मिले। जॉनमाली, कनिमासी, युकोब मसीह के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने विश्वास को त्याग दिया है और शराब की लत में फँसे हुए हैं, प्रार्थना करें वे पश्चाताप करें और प्रभु की ओर लौटें। नए विश्वासी अनीता, सोनिया, मंजू, सुमन, दयाल सिंह और रघुनाथ के लिए प्रार्थना करें के ईश्वर भक्ति और प्रभु के भय में आगे बढ़ें।

जन्मदिन मुबारक

श्री एसेकिय्याह आर.
श्री धर्मेंद्र परिछा

हरियाणा

जीवन नगर : एलियाकिम जेना एवं दीपिका

स्तुति : हमारी जीप टीम सेवा के माध्यम से, 400 लोगों ने सुसमाचार सुना और 2 स्थानों पर जीज़स फिल्म दिखाई गई। लगातार प्रार्थनाओं के बाद, प्रभु ने जयला सिंह को एक नई कपड़ा दुकान खोलने में सक्षम बनाया। अमनजीत को प्रार्थनाओं के द्वारा पेट के गंभीर दर्द से चंगाई मिली। प्रभु ने कई लोगों को देबवाली चर्च में आराधना सेवा में भाग लेने में सहायता की।

प्रार्थना : विश्वासियों के लिए प्रार्थना कि वे उत्सुकता से हमारे स्थानीय प्रचारकों के साथ जुड़कर सक्रिय रूप से सेवकाई के लिए आगे आएं। सामाजिक दबावों के कारण, कोरा सिंह, संजू, दर्शन सिंह परिवार और भगिरथी, सुरेंद्र और राजकुमार के पिता सार्वजनिक रूप से मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। प्रार्थना करें कि प्रभु उन्हें आगे बढ़ने के लिए विश्वास और साहस प्रदान करे। प्रार्थना करें कि प्रभु राय सिक्खों, कुम्हार, माली और महाशा लोगों के बीच सुसमाचार के लिए द्वार खोले।

राजस्थान

तपुकारा : जॉनसन तमिल सेलवन (सेवानिवृत्त) एवं राजम्मल; डैनियल मार्वेलराज एवं जेबासीली

स्तुति : 9 लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार किया। बंसीलाल को विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा शैतानी हमलों के कारण हुए अवसाद से मुक्ति मिली। सुनीता को प्रार्थना के द्वारा बोरवेल में बहुत कम स्तर पर पानी मिला। कुट्टा और प्रियंका के परिवार चर्च में आने लगे हैं।

प्रार्थना : नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में आगे बढ़ें। मनु के लिए प्रार्थना करें जो साईकिल की दुकान बंद होने के बाद जीवन यापन के लिए संघर्ष कर रहा है। पूनम बेन के लिए प्रार्थना करें जो अपने पति की शराब की लत के कारण अपने जीवन में संघर्ष कर रही है। अनिता, रेशमा और रोमा को योग्य मसीही जीवन साथी प्राप्त सक्षम हों।

परमेश्वर की आत्मा के उंडेले जाने से एक गाँव का परिवर्तन!

मध्यप्रदेश के धार में मिशन क्षेत्र में, परमेश्वर की आत्मा ने पहले से कहीं अधिक भील समुदाय के बीच महान कार्य कर रही है। तीन वर्षों से दुष्ट आत्माओं के बंधन से परेशान गोलू नामक एक व्यक्ति को छुटकारा मिला। परिणामस्वरूप, परमेश्वर ने हमें मसीह के सुसमाचार के साथ एक नए गाँव निमरानी तक पहुँचने और एक नई आराधना समूह शुरू करने में सक्षम बनाया। परमेश्वर की महिमा हो।

जन्मदिन मुबारक

श्री शैक सुभानी

खाजूवाला :

वी.कुमार एवं पेट्रीसिया

स्तुति : एक व्यक्ति ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। रीना की उत्कृष्ट प्रार्थनाओं और कॉलेज की परीक्षा में 76 प्रतिशत अंक प्राप्त करने तथा नौकरी की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के कारण, उसके माता–पिता जो पहले उसके चर्च जाने का विरोध करते थे, अब मसीही आराधना सेवा में भाग लेने के लिए उत्साहित कर रहे हैं। 28 वीं कॉलोनी का जसवंत सेवा करने के लिए आगे आया है। 17 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई और उन लोगों के घरों में हमने प्रार्थना की जिन्होंने हमें प्रार्थना करने के लिए अपने घरों में आमंत्रित दिया।

प्रार्थना : परमसिंह और सुगुना के परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो नौकरी की वजह से अपनी मसीही विश्वास की रक्षा के लिए 28 वीं कॉलोनी से रामसिंहपुर चले गए हैं। रीना और अन्य विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो अच्छे रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें उनके प्रयासों और विश्वास के लिए पुरस्कृत किया जाए। रामशरण को बार–बार बेहोशी की समस्या से चंगाई मिले। युवाओं, बच्चों, महिलाओं और कलीसिया प्राचीनों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना पर प्रभु की आशीष के लिए प्रार्थना करें। उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो सीमा सुरक्षा बल से डरते हैं और डर के कारण चर्च में आने से बचते हैं।

खेरवाड़ा / बिलाड़िया :

देवुभाई एवं जामु बेन

स्तुति : 10 लोगों ने सार्वजनिक रूप से विश्वास के अंगीकार के अवसर पर मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। विग्नेश और उनकी पत्नी, जो निःसंतान थे, ने कई बलिदान किए, परन्तु असफल रहे, लेकिन हमारे स्थानीय प्रचारक की प्रार्थना के उत्तर में परमेश्वर ने उन्हें एक बच्चा दिया। जब विश्वासियों ने एक साथ मिलकर कालूबाई के लिए प्रार्थना की, जिसे एक जहरीले सांप ने काट लिया था, तो प्रभु ने उसे चंगाई दी और जहर के प्रभाव को खत्म कर दिया। क्षय रोग से पीड़ित कंठीलाल और जयंतीलाल अब विश्वास के साथ की गई प्रार्थनाओं के कारण चंगाई पा रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पारा गाँव में एक आराधना केंद्र स्थापित हो जहाँ लोग सुसमाचार में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। प्रार्थना करें कि हरवारा और पालकारा गाँवों में व्याप्त गंभीर विरोध समाप्त हो। ओडा गाँव के शंकर के लिए प्रार्थना करें जो खून की उल्टी आती है ताकि वह प्रभु की ओर से चंगाई प्राप्त कर सके। नारायणन और नारीनाथ परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो उनके विवाहित जीवन के 15 वर्षों के बाद भी निःसंतान हैं प्रभु उन्हें संतान की आशीष प्रदान करे।

उदयपुर : आशीष एवं सविता

स्तुति : 29 लोगों ने सार्वजनिक रूप से यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया और प्रभु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। 6 नए परिवार के लोगों ने चर्च में सदस्यता ग्रहण कर लिया। साधक शिविर का आयोजन किया गया था और 150 लोगों ने भाग लेकर सुसमाचार सुना। प्रभु ने निःसंतान महिला विमला और निर्जोदा की प्रार्थना सुनी और उन्हें संतान की आशीष दी।

प्रार्थना : बुरी आत्माओं के चंगुल में फंसे मुकेश, बबलू, मोहन, आनंदी और श्यामलाल की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। शराब की लत और भारी कर्ज में डूबे प्रभुलाल, संभुलाल, शिवा और पामराज के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने बुरे कामों से पश्चाताप करें और प्रभु से उद्धार पाकर शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। प्रवीण के लिए प्रार्थना करें जो वाहन दुर्घटना में फ्रैक्चर हो गया था, वह पूरी तरह से चंगाई पाए और काम पर वापस लौट सके।

उत्तराखंड

बाजपुर :

क्रिश्चियन प्रकाश एवं सुमित्रा

स्तुति : यीशु का प्रेम तीन गाँवों में फैला और लगभग 360 लोगों ने सुसमाचार सुना। अपने व्यवसाय के लिए अक्सर यात्रा करने वाले सुंदरलाल को परमेश्वर ने एक बड़ी दुर्घटना से चमत्कारिक रूप से बचाया। पुष्पा देवी को दुष्टात्मा के बन्धन से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : रोड्डाबरिया गाँव के 6 वर्षीय रितिक की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो नाक से खून बहने की समस्या से पीड़ित है। पैरिया गाँव का 7 वर्षीय युवराज की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसके हृदय में सूजन है। लालमन को लीवर की बीमारी से चंगाई मिले। रामकली के लिए कि उसकी जमीन की समस्या का समाधान हो। विश्वासियों के शिविर और सुसमाचार प्रचार कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश

हसेरन :

सुरेश मालतो एवं प्रेमलता

स्तुति : 8 गाँवों में अनुवर्ती सेवा संचालित की गई और कई लोगों ने व्यक्तिगत प्रचार के माध्यम से सुसमाचार सुना। विश्वासियों ने दो स्थानों पर आयोजित उपवास प्रार्थनाओं में उत्सुकता से भाग लिया और लोगों के उद्धार के लिए उत्साहपूर्वक प्रार्थना की। विश्वासियों के आध्यात्मिक पुनरुद्धार शिविर के सफल संचालन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। बाइबल अध्ययन समूह सावधानी पूर्वक कार्य कर रहे हैं।

प्रार्थना : मोटागापुर गांव के उबेश के लिए जो अपने विश्वास से भटक गया है, वह प्रभु के पास वापस लौट आए। सर्वेश को टीबी से मुक्ति मिले। मंजिला गांव के अनुराग को लकवा से मुक्ति मिले। हसेरन गांव में एक अस्थायी चर्च की स्थापना हो। उपयुक्त स्थानीय प्रचारकों को खड़ा किया जाए।

गोंडा बाल भवन :

ओमप्रकाश गुप्ता एवं तुम्पा चौधरी

स्तुति : हमारे बाल भवन में 15 नए बच्चों का नामांकन किया गया है। नट समुदाय के 2 लोगों ने मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। चूंकि विपक्षी पक्ष ने भूमि के संबंध में गोंडा होम के खिलाफ मामले में कोई सबूत पेश नहीं किया, इसलिए 2019 में न्यायालय द्वारा हमारे बाल गृह के पक्ष में पारित अंतरिम स्थगन आदेश अभी भी कायम है। हमारे होम के पूर्व छात्र और अच्छी नौकरी करने वाला केतन कुमार वर्तमान में हमारे होम में एक बच्चे को प्रायोजित करने के लिए आगे आया है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे छात्रावास के 10वीं कक्षा के निवासी छात्र – आशीष, अनमिथ, मोहित और 12 वीं कक्षा के छात्र – अभिषेक और शिवम अच्छी तरह से अध्ययन करें और सफलता प्राप्त कर सकें। विद्याधर की माँ के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें जो दुष्ट आत्मा के बन्धन में है। नट समुदाय के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे बड़ी संख्या में मसीह में उद्धार का अनुभव करें। हमारे मिशनरी के भाई–बहनों और माता–पिता के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

बस्ती :

पॉल श्रीनिवासन एवं शीबा

स्तुति : 2 व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया और कलीसिया में शामिल हुए। नाइकाव गाँव में आयोजित सत्संग और पटपोन गाँव में असयोजित बस्ती दिवस कार्यक्रम में कई लोगों ने भाग लिया। हमारे मिशनरी की बेटी ने सी.एम.सी. कॉलेज में नर्सिंग के लिए सीट हासिल की। जलानिया गाँव की सीमा जो बहुत कम रक्त गणना से पीड़ित थी और मृत्यु के कगार पर थी, विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली और वह सुरक्षित घर लौट सकी।

प्रार्थना : धार्मिक कट्टरपंथियों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो हमारे बुधवार के उपवास की प्रार्थना में घुस आए और विश्वासियों को प्रार्थना सभा बंद करने की धमकी दी। चंद्रपुर की एक छोटी लड़की शीबा का रक्त शर्करा का स्तर 500 एम.जी/डी.एल. है, प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसे चंगाई प्रदान करे। प्रार्थना करें कि दिलीप और राजेंद्र के परिवार को संतान की प्राप्ति हो। बांसिया गाँव की अम्मान जो पोलियो से पीड़ित है और कोई भी काम करने में असमर्थ है, उसे चंगाई और शक्ति मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती येसुरतिनम त्यागराजन
श्री अनिल कुमार बिसोई
श्रीमती रानी सुकांतो सिंह
श्री जीवानंदन एम., श्री रूबेन टुडू
श्रीमती रांघे नयनाबेन देवजीभाई

घाटमपुर :

जंगखोलुन थोथांग एवं न्गाइथियनचिंग

स्तुति : घाटमपुर, जगनाबाद और पवन के चर्चों में आयोजित की जा रही दो आराधना सेवाओं के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो पिछले दिनों बंद हो गई थीं। सिरसुवाल में चर्च की स्थापना दिवस को विश्वासियों ने सफलतापुर्वक मनाया। परमेश्वर ने अपनी कृपा से जया और रीता को साँप के काटने से और विनोद को दुर्घटना से बचाया। परमेश्वर की दया और प्रार्थनाओं के कारण राम वेसा को दोपहिया वाहन, नरेश को ऑटो और जवाल को चार पहिया वाहन खरीदने में मदद मिली।

प्रार्थना : भले ही बंद कलीसिया का आराधना के लिए फिर से खोल दिया गया हो, परन्तु पवित्र आत्मा विश्वासियों के बीच व्याप्त भय को दूर करे और उन्हें साहस से भर दे। प्रार्थना करें कि चर्चों को बंद करने के खिलाफ न्यायालय में चल रहे मामले का फैसला मसीहियों के पक्ष में हो। प्रार्थना करें कि वेद प्रकाश का विवाह समारोह सफलतापुर्वक मसीही विधि विधान के अनुसार संपन्न हो सके।

मर्थाना :

राजन एवं जेबामलर

स्तुति : 3 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। संध्या को 5 वर्षों की निरन्तर प्रार्थना के फलस्वरूप एक बच्चे की आशीष मिली। परमेश्वर ने सुमित कुमार को एसिड ट्यूब विस्फोट से सुरक्षा प्रदान की और उसे केवल मामूली चोट लगी। ऋषभ कुमार जो 5 वर्षों से बोलने में असमर्थ था, प्रार्थना के कारण बोलने में सक्षम हुआ। दीपू को सिर पर लगी चोट से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। राजकुमार और रिहानसू को दुष्टात्मा के बन्धन से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि मेहना चर्च के मामले की सुनवाई के लिए न्यायालय में आने पर हमें परमेश्वर का मार्गदर्शन प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि नपलागा पूर्वा गाँव में रोकी गई आराधना सेवा को फिर से शुरू किया जा सके। हमारे स्थानीय प्रचारक की पत्नी की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। स्वप्ना नामक एक स्वयं सेवक जो गर्भाशय की सर्जरी के कारण कमजोर हो गई है प्रार्थना करें कि वह फिर से स्वस्थ हो सके। ममता, अनुराधा और सुदेश की पत्नी के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें को प्रभु से संतान की आशीष मिले। 15 वर्षीय प्रिया को रीढ़ की हड्डी के कैंसर से, सुरेश को गुर्दे की पथरी से, आरती को उसके गर्भाशय के ट्यूमर से और अन्य विश्वासियों को विभिन्न बीमारियों से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सपना ओम प्रकाश

जालौन : राकेश रतिलाल एवं रेशमा मारुति

स्तुति : 2 गाँवों में 50 लोगों ने सुसमाचार सुना। 3 लोग विश्वासियों के समूह में शामिल हो गए हैं। नेपुरा गाँव में एक नया आराधना समूह शुरू किया गया है। हमारे स्थानीय प्रचारक को 3 महीने की बीमारी से चंगाई मिली। विश्वासियों की आध्यात्मिक सभा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि प्रभु लालपुरा गाँव में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खोलें। प्रार्थना करें कि नए विश्वासीगण विश्वास में मजबूत हों। जकोली गाँव की सोनम की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो पिछले दो महीनों से बीमार है। पार्वती को टॉइफाईड से चंगाई मिले।

राष्ट्रीय मिशन संस्थान :

एन. राजादुरई एवं प्रेमा

स्तुति : 10 मिशनरी प्रशिक्षणार्थियों ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिए हैं और उन्हें विभिन्न मिशन क्षेत्रों में भेज दिए गए हैं। प्रशिक्षु झाँसी बाल भवन के बच्चों को उनकी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास में मदद कर रहे हैं। एक नर्स ने पूर्णकालिक सेवकाई के लिए प्रतिबद्ध मिशनरी प्रशिक्षुओं के स्नातक समारोह में भाग लिया। पुथेवरा, कोमाट, सिमिरिया, केवथडेरा और नागरडेरा गाँवों में आयोजित सुसमाचार उद्घोषणा के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : पुथवारा गाँव के रजनीस कमानिया के हृदय में पवित्र आत्मा के कार्य के लिए प्रार्थना करें जिसने सुसमाचार सुना। नरगदोरा गाँव के लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें, जो अवैध शराब बनाकर बेचते हैं। मोहन केवट परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें, जो सुसमाचार सुनने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहा है। विभिन्न मिशन क्षेत्रों में नियुक्त मिशनरियों के लिए प्रार्थना करें कि वे वे स्थानीय भाषा और संस्कृति सीख सकें और अपनी सेवा प्रभावी ढंग से शुरू कर सकें। हमारे बाल भवन का बच्चा कमलेश की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो हड्डी के टीबी रोग से पीड़ित है। अनस त्रिवेदी, आकाश, आशीष, अंकित, सचिन, हशविंद और एक पुलिसकर्मी – धीरेंद्र सिंह और कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों पर हमारे प्रभु के स्पर्श के लिए प्रार्थना करें जिनकी गतिविधियाँ पुखरायाँ कलीसिया के खिलाफ है।

मार्ग में यीशु से मुलाकात!

झारखंड के चांदोपनी मिशन क्षेत्र की श्रीमती महादेवी शराब बेचती हैं। सड़क पर उनकी मुलाकात मिशनरियों हुई और उन्हें सुसमाचार बताया। जब उन्होंने सुसमाचार सुना तो उन्हें ईश्वर की आत्मा ने दोषी ठहराया और वे सड़क पर रोने लगीं, चिल्लाने लगीं और पापों का अंगीकार करने लगीं। वह और उनका बेटा आंसुओं में डूबे हुए थे और रास्ते में प्रभु से प्रार्थना की और प्रभु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। उसे एक वैकल्पिक व्यवसाय की सलाह दी गई। यीशु के नाम की महिमा हो!

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती काशेली सेमा येक्टो चोफी
सुश्री मर्सी एम.एच. छुआज़ी

मध्य प्रदेश

धुलकोट:

गोपीकृष्णन एवं मेनका

स्तुति : सिट्टियम गाँव के जितिन को पेट फूलने की समस्या थी और वह कुछ भी खा नहीं पाता था, उसने इलाज के लिए कई तरीके आजमाए परन्तु कोई भी कारगर साबित नहीं हुआ। आखिरकार, वह चर्च में आया और विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे चंगाई कर दिया। जब ओडी गाँव की अनिता बुरी आत्मा से ग्रसित थी, तो उसे जंजीरों में बांधकर चर्च लाया गया। जब विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसे छुटकारा प्रदान किया। लोगों के उद्धार के लिए आयोजित उपवास प्रार्थना में 84 लोगों ने भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ प्रार्थना की। सत्संग सभा और महिला सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जयराम को अपने परिवार की समस्याओं का समाधान मिले और वह शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करे। ढोन गाँव में सत्संग के सफल आयोजन के लिए, पंढरी और डांडा गाँव में महिला सम्मेलन और डोमिनिया गाँव में आत्मा विजेता शिविर की सफलता के लिए प्रार्थना करें। आंबा गाँव के प्राणसिंह और उनकी पत्नी को दुष्टात्मा के कब्जे से मुक्ति मिले।

खरगोन :

बिनीत प्रसाद एवं अमोजिता

स्तुति : 15 लोगों ने यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हुए। सिलोटिया और करोडी गाँव में आयोजित 2 दिवसीय उपवास प्रार्थना में 140 लोगों ने भाग लिया। 15 लोगों ने चर्च एल्डर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और आशीषित हुए। 20 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई शुरू की गई। प्रशिक्षित चर्च एल्डर्स ने इन आउटरीच में खुशी के साथ भाग लिया। थुल्या और गर्वम गाँवों में नई आराधना समूह शुरू की गई।

प्रार्थना : सिलकटिया गाँव की मोहिंदी बेन के लिए प्रार्थना करें, जिसका बच्चे जेल में हैं और उसका पति ने उसे छोड़ दिया है, उसे जीवनयापन के लिए परमेश्वर की सहायता मिले। प्रार्थना करें कि लोकरी गाँव में बंद आराधना सेवा फिर से शुरू किया जा सके। रीना और लक्ष्मी को दुष्टात्मा के बन्धने से छुटकारा मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मेबल ख्रिस्टोफर,
श्रीमती इरगर रेशमा मारुति

बिहार

पूर्वी गंगा क्षेत्र :

बाबू पुष्पराज एवं रेचल जॉयस

स्तुति : करिया, कटलू, श्यामपुर, ठक्करगोरी, हलीदीपाड़ी और पलियापारा गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। परमेश्वर ने सत्तपुर क्षेत्र के अरहा गाँव में विश्वासियों को एकजुट रहने और अपने विश्वास के लिए सभी विरोधों का सामना करने में सक्षम बनाया। वासुदेव सादा की बेटी को सांप के काटने से परमेश्वर ने बचाया गया। जब काजल कुमारी के कान में एक कीड़ा घुस गया और उसे बहुत दर्द हो रहा था तब विश्वासियों ने उस पर तेल लगाया और प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे चंगाई दी। 11 महीने की बच्ची रीनू को उसके पूरे शरीर पर हुए फोड़े से चंगाई मिली। गीता देवी को हेमाटोसिस से चंगाई मिली और उसने मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार की।

प्रार्थना : महादीपुर गाँव के ग्रामीणों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो हमारे विश्वासियों को मसीही धर्म अपनाने के कारण आम रास्ते पर चलने से रोकते हैं। महेश कुमार जो पाँच साल पहले महाराष्ट्र में काम के लिए गया था और अभी तक एक बार भी घर नहीं लौटा है, प्रार्थना करें कि वह सुरक्षित हो और अपने परिवार के साथ मिल सके। हमारे मिशनरी आनंदन और उनके परिवार की दिव्य सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिनके प्यारी माँ की मृत्यु हो गई। हमारे विश्वासी राजा की सीक्षा के लिए प्रार्थना करें जिन्हें गाँव वालों से मौत की धमकी मिल रही है क्योंकि शराब की लत के कारण दो लोगों में से एक की मौत हो गई थी, जिन्हें राजा ने अपने साथ काम करने के लिए पंजाब ले गया था।

अररिया :

जेनिस एवं सुगंती पुष्पम

स्तुति : गीता देवी और कृष्ण कुमार ने प्रभु में अपने विश्वास का अंगीकार किया। कियान ऋषिदेव, बलवीर कुमार और मुंडन ऋषिदेव के लिए जो काम की तलाश में दूसरे राज्यों में चले गए थे, अपनी आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद परमेश्वर ने उन्हें सुरक्षित घर लौटने में सक्षम बनाया। जब हमारी विश्वासिनी ममता की बेटी पूजा को आधी रात को प्रसव पीड़ा हुई, विश्वासियों ने एकतित्र होकर उसके लिए प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे सुरक्षित प्रसव में मदद की।

प्रार्थना : सुनील, संजय, महेश, काजल, रानीकुमारी, मंथोन, ऋषिदेव, अशोक, सूरज, राजेश, रिंकी और श्याम सुंदर के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में अपने विश्वास को साहसपूर्वक अंगीकार करें, तथा अपने मार्ग में आने वाली किसी भी बाधाओं को पार कर सकें। नारायण सादा के परिवार के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने जीवन में प्रभु की भलाई का अनुभव किया है, तथापि अपने विश्वास से पीछे हट गए हैं, ताकि वे अपने जीवन को सम्पूर्ण रीति से प्रभु को समर्पित कर सकें। मुशाहर समुदाय के लोगों के लिए प्रार्थना करें जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बंधन में हैं, उन्हें मसीह यीशु के द्वारा उससे मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि ग्रामीणों को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी प्राप्त करने में आ रही बाधाएँ को दूर हों।

झारखण्ड

गोपीखंदर : जॉन दिनेश एवं बिन्नी ज्ञानम

स्तुति : 76 नए गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया गया है। 2 नए गाँव में रात्रि सभाएँ और 4 स्थानों पर उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित की गई हैं। 9 लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों के समूह में शामिल हुए। पौल हेनरी को परमेश्वर ने एक घातक दुर्घटना से चमत्कारिक रूप से बचाया। सतीश देहरी और मीका कुमारी को पीलिया से चंगाई मिली। मानसून के मौसम में परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों को साँपों और बिच्छुओं से बचाया जो इस क्षेत्र में निकलते हैं।

प्रार्थना : रिंकू देहरी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो अपने खिलाफ़ किए गए काले जादू के कारण चलने में असमर्थ है। छोटा देहरी को पक्षाघात से और सिबू देहरी को जिगर की बीमारी से चंगाई मिले। हमारे चर्च के पंचगण बाबू लाल और वीरेंद्र के लिए प्रार्थना करें कि वे उन्हें दी गई जिम्मेदारियों को ईमानदारी निभा सकें और आत्मिक जीवन में आगे बढ़ें। मोहन, कालू, अजय, पुथुना, अनिल कार्तिक, केबू, लक्कीराम और कायल के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो मसीही कार्यों का विरोध करते हैं। सोनिया और लक्ष्मी के लिए प्रार्थना करें जो हाल ही में शराब बनाने की अपनी बुरी आदत को छोड़ने के लिए विश्वास में आई हैं। प्रार्थना करें कि प्रभु मुरजा, सोलापाथर, सिरुडी, ओरमू, गुंडापहाड़ी और कमलाकोचा गाँवों में सुसमाचार के लिए खुला द्वारे प्रदान करे।

राजमहल क्षेत्र :

अल्बर्ट प्रभाकरन एवं मुरुगम्मल एस्तेर

स्तुति : 4 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया है। 34 गाँवों में जीज़स फिल्म दिखलाई गई। 4 लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। जिक्तिया गाँव के विश्वासियों ने अपने स्वयं के धन से चर्च निर्माण के लिए जमीन खरीदी है। सिबू पहाड़िया को साँप के काटने के बाद ईश्वर ने उनको चंगाई दी। अलहर गाँव में हमारे एक विश्वासी का विरोध होता है। जब रिंकू देवी को प्रसव दौरान जटिलताओं का सामना करना पड़ा तब परमेश्वर ने उन्हें सुरक्षा प्रदान किया।

प्रार्थना : मसीही धर्म के प्रचार में बाधा डालने वाले जादूगरों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि मृत्युशैय्या पर पड़े सुनील को प्रभु चमत्कारिक चंगाई प्रदान करे। पत्थरगामा गाँव के मसीहियों के अपने उपयोग के लिए एक मसीही कब्रिस्तान का प्रबन्ध हो। प्रार्थना करें कि मालतो लोगों को बाल विवाह के बुरे परिणामों का ज्ञान प्राप्त हो। जो उनके बीच उच्चतर स्तर पर प्रचलन में है। उन 6 परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार सुनने में रुचि दिखाते हैं ताकि उनका विश्वास बढ़े। रूपसंध और सुनील को लकवा से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन डेविड एम.

पत्थरगामा : कृष्ण कुमार एवं शांतिलाल

स्तुति : कासिसक गाँव में एक नई रात्रि सभा शुरू की गई है। परमेश्वर की कृपा से हम तातासरया, मलानी, नागापुरो और पौसी गाँव में सुसमाचार और ट्रैक्ट बाँटने में सक्षम हुए।

प्रार्थना : मायागंज गाँव के हमारे विश्वासी संपुरई के 8 वर्षीय बेटे मनीष के गुर्दे की बीमारी से ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। पूनम के गर्भपात के कारण हुए अवसाद से बाहर आने के लिए प्रार्थना करें। प्रेमानंद दास को दुष्टात्मा के कब्जे से छुटकारा प्राप्त हो। साजी, प्रियंका और संतो के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्पर उन्हें सुरक्षित प्रसव में सहायता करे। कासिसक गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे चमत्कारों का अनुभव करें और वे कलीसिया में आकर प्रभु की आराधना करें।

हंसडीहा : तिमोथी सेंथिल एवं मुथु सेल्वी

स्तुति : हमारे चर्च एल्डर लाखन के बैल जुताई के लिए हल खींचने से दूर हट रहे थे। तुरंत लाखन ने खेत में घुटने टेके और परमेश्वर से प्रार्थना की और चमत्कारिक रूप से बैलों ने शांतिपूर्वक जमीन जोतने में स्वामी की मदद की। जब एक विश्वासी के बेटे को जहरीले साँप ने डंस दिया, तो विश्वासियों ने पूरे हृदय से प्रार्थना की और लड़के की जान बच गई।

प्रार्थना : प्रभु से प्रार्थना करें कि वह एक छोटी बच्ची श्रीमति मुर्मू को चंगाई प्रदान करे, जो शरीरिक बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती है, जिसके लिए परिवार के लोगों ने अपने घर का सारा सामान बेच डाला फिर भी डॉक्टरों ने उसे कोई उम्मीद नहीं दी, जिससे उसका कोई इलाज नहीं हो पाया। सुभाराम गाँव के उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो प्रभु की मदद से अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए एक चर्च का निर्माण करने की गहरी इच्छा रखते हैं। प्रभु से प्रार्थना करें कि वह हमारे मिशन के लक्ष्यों को आशीष दे और हमें अपने राज्य के विस्तार में आगे बढ़ाएँ।

यह प्रभु ही है जिसने स्वर्गदूतों को मार्ग की रक्षा करने का आदेश दिया!

हिमाचल प्रदेश में कार्यरत हमारे मिशनरी दम्पति ने नौशेरा मिशन क्षेत्र के अटल नामक गाँव में रविवार की शाम को आराधना करना आरम्भ कर दिया था। लोग प्रति दिन से ज्यादा प्रार्थना में आए और प्रार्थना समाप्त होने में बहुत समय लगा। अगली सुबह उन्हें सेवकाई के लिए दूसरे स्थान पर जाना था इसलिए उन्होंने रात को घर लौटने और विश्वासियों से विदा देने का फैसला किया और अपने दोपहिया वाहन से अपने घर लौटने लगे। पहाड़ी सड़क पर अंधेरा था और गाड़ी के हेडलाइट्स की रोशनी को छोड़कर कोई दूसरी रोशनी नहीं थी। जब वे सेवकाई के बारे में बात करते हुए वापस आ रहे थे उन्होंने देखा कि गाड़ी के सामने करीब 20 फीट की दूरी पर एक बाघ खड़ा है। उन दोनों ने तुरंत गाड़ी रोकी और मन ही मन प्रार्थना की। बाघ लगभग पाँच मिनट तक वहाँ रहा और फिर पहाड़ी ढलान से नीचे चला गया। हल्लेलुयाह! प्रभु ने हमें सुरक्षित घर पहुँचने में मदद की।

जन्मदिन मुबारक

श्री पॉल दयासिंह ए.वाई.
श्रीमती सावित्री कुमार
श्री वसावा मानसिंह मौल्या
श्रीमती एमिमल तिलक
सुश्री सलोमी मालतो

लालमटिया : अमारेन्द्रन एवं गौरम्मा

स्तुति : 10 लोगों ने अपने पुराने पापमय जीवन को त्यागकर मसीह में नया जीवन को स्वीकार किया। परमेश्वर ने तेस्मई बस्थरा को एक जहरीले साँप के काटने से चंगाई दी। जब सुनील मरांडी लगभग 5 वर्षों से नींद की कमी से पीड़ित था, तब वह चर्च में आया और प्रार्थना की, तो प्रभु ने उसे चंगाई दी। मस्तिष्क मलेरिया से पीड़ित लाखन मुर्मू को विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से चंगाई दी।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे स्थानीय प्रचारक की पत्नी सोनमई हंसदा को मानसिक अवसाद से छुटकारा मिले। जब एक्करी क्षेत्र में बहुत से लोग सुसमाचार सुनने में गहरी दिलचस्पी दिखाते हैं, तो सिजी गाँव के कुछ मुख्य लोग सुसमाचार का विरोध करते हैं, प्रार्थना करें कि वे सेवकाई के खिलाफ अपनी गतिविधियाँ को बंद करें और ईश्वर के प्रेम से प्रभावित हों। सिजी गाँव के प्रदीप को टीबी बीमारी से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। कट्टमपुर के प्रधान मरांडी के लिए प्रार्थना करें जो एक पैर के फ्रैक्चर के कारण बिस्तर पर हैं, उन्हें चंगाई मिले और वे फिर से चलने में सक्षम हों।

गंगुपाड़ा बालिका भवन :
सुशोजिता सेनापति; सावित्री; एवलिन बैक्या

स्तुति : 6 बच्चों को जी.एन.एम. कोर्स करने का मौका मिला। क्षय रोग से पीड़ित अन्ना और सोनालिया को परमेश्वर ने चंगाई दी। सरकारी अस्पताल की मदद से ग्रामीणों के लाभ के लिए स्वस्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बारिश के कारण छात्रों के विद्यालय से आने के रास्ते पर एक बड़ा गड्ढा हो गया और उसमें पानी भर गया था, जिससे गंभीर चिंता पैदा हो गई थी। ग्रामीणों ने हमारे बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए गड्ढे को भर दिया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि निर्माणाधीन नई इमारत का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक और मजबूती से हो। प्रार्थना करें कि रूथ अपनी नर्सिंग की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी करे। हमारी छात्राओं के माता–पिता अपनी बुरी आदतों को त्यागें और अपने बच्चों के लिए प्रार्थना करने के लिए आगे आएं। पौलुस के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो निरंतर परेशानियों को पैदा करता है। हमारे बाल भवन के पूर्व छात्राओं की आगामी योजनाबद्ध सभा की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती हेना कुमारी ज्ञानासेल्विस

पश्चिम बंगाल

गंगारामपुर : डिहे एवं चरनी

स्तुति : 5 व्यक्तियों प्रभु करी ज्योति में लाया गया और उन्होंने सार्वजनिक रूप से यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया। जहाँ पर हमारे विश्वासियों ने 17 गाँवों में अपनी गवाही और ईश्वर के वचन को साझा किया बहुत से लोग अंत तक रुके रहे और सुसमाचार प्रचार कार्यक्रमों को देखा। 9 गाँवों में जीज़स फिल्म दिखाई गई। एक नया आराधना केंद्र स्थापित की गई है।

प्रार्थना : सुजीत किस्कू, मोगीलाल टुडू, टोपस मुर्मू, मंगल हंसदक सुसमाचार सुनने में गहरी रुचि दिखाते हैं, प्रार्थना करें कि वे जल्द ही विश्वासियों की मण्डली में शामिल हों। चर्च प्राचीन सुवप्पन मार्डी, सैमुअल हेमरोम और दिनेश मुर्मु के लिए प्रार्थना करें कि वे आध्यात्मिक जीवन में आगे बढ़ें और उसी के अनुसार चर्च का नेतृत्व कर सकें। प्रार्थना करें कि पानापोगर गाँव में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि प्राप्त हो।

बालुरघाट : किंग्सले लिविंगस्टन एवं डेल्फिन; रंजन

स्तुति : बेलिगन गाँव के लोग सुसमाचार को उत्साहपुर्वक से सुनते हैं। 15 गाँवों के कई गलियों में सुसमाचार की घोषण की गई और 96 घरों में सुसमाचार पहुँचाया गया। कई लोगों ने सुना और मिशनरियों से उनके लिए प्रार्थना करने के लिए कहा। अहमदपुर गाँव में एक नया आराधना समूह स्थापित किया गया। सिथा नटपत को पीलिया से, डोला सोरेन को साँप के काटने से और लोबोनी किस्कू को लगातार वायरल बुखार से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि कोपर्दा और एकमाली गाँव में सुसमाचार के प्रचार के लिए द्वार खुले। कोंगी, सकरनिमा, रांधे नगर और डोंसी गाँव में चर्चों के निर्माण के लिए किए गए प्रयासों को प्रभु आशीष दे। लतिका हेमरोम, जामिन किस्कू, पुटू टुडू और राजकुमार सोरेन के लिए प्रार्थना करें कि वे सभी बाधाओं को पार करके मसीह में अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से अंगीकार करें। युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि वे चर्च की आराधना सेवाओं में भाग नियमित रूप से भाग लें।

यहोवा शालोम!

महाराष्ट्र के इगतपुरी में खेत में गिरने के कारण मनीषा इतनी कमजोर हो गई थी कि वह घर का कोई काम नहीं कर पाती थी और दूसरा शिशु को पैदा करने में असमर्थ थी और हमेशा अपने पति से झगड़ती रहती थी और बेचैनी भरी जिंदगी जी रही थी। जब लगातार उसके लिए प्रार्थना की गई तो उसे एक संतान की प्राप्ति हुई। वह अपने बच्चे और अपने पति के साथ शांति से रहती है। परमेश्वर का धन्यवाद हो!

पकुआहाट :

रामकृष्ण एवं अंजलि

स्तुति : 6 लोगों ने अपना जीवन मसीह को समर्पित कर दिया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। परमेश्वर की कृपा से मरियम टुडू का गंभीर स्थिति में प्रभु की ओर सुरक्षित प्रसव हुआ। जब हमारे विश्वासी सपोल हेमरोम का निधन हुआ, तो सभी ग्रामीणों ने उसे त्याग दिया, अन्य विश्वासियों ने मसीही विधि के अनुसार से सपोल का अंतिम संस्कार करने का बीड़ा उठाया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि रामगा और थलिक्कट गाँव में वर्तमान में हो रहे आराधना समूहों का धीरे–धीरे मण्डली में और अंततः चर्च में परिवर्तित हो। उत्तर कर्मा और साल्कोना गाँवों के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे रविवार की आराधना सेवाओं को महत्व दें और चर्च में आएँ। उलंधर, निमडांगा, उत्तर कर्मा और साल्कोना कलीसिया के प्रसचीनों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने कलीसियाओं का आत्मा से भर कर प्रभावी तरीके से नेतृत्व कर सकें। सामूहिक प्रार्थनाओं के उत्तर में गर्भवती हुई सुमिता के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

इटाहार :

अस्ताबन आदित्य एवं मानिनी कुमारी

स्तुति : 6 व्यक्तियों ने अपने पुराने पापमय जीवन को त्याग कर मसीह में नया जीवन अपनाया। जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग के माध्यम से 10 गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार किया गया और एकत्रित लोगों के बीच सुसमाचार के पर्चे भी वितरित किए गए। आयोजित रात्रि सत्संग में कई लोगों ने भाग लिया। छोटे प्रार्थना समूह के अगुवों का प्रशिक्षण सफलतापुर्वक आयोजित किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि प्रभु उन 63 लोगों के जीवन को स्पर्श करें जिन्होंने सत्संग में भाग लिया और उन 165 लोगों के लिए जिन्होंने जीज़स फिल्म देखी। प्रार्थना करें कि प्रभु हमारे स्थानीय प्रचारक सुजान हेमरोम और जिरामनी मार्डी परिवारों को एक संतान प्रदान करे। उन 26 लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, उनके संदेहों को परमेश्वर के वचन की मदद से दूर किया जाए।

परमेश्वर जो प्रार्थनाओं का उत्तर देता है!

गुजरात के सूरत मिशन क्षेत्र के गणेश नगर की पुष्पा बेन एक अच्छी मसीही विश्वासिनी है। उन्होंने एक मुफ्त सरकारी गैस सिलेंडर के लिए अनुरोध किया था क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति खराब थी। जब गाँव के लिए मुफ्त गैस सिलेंडर प्रदान किया गया, तो उनका नाम पहले स्थान पर होने के बावजूद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। 13 दिनों तक लगातार प्रार्थना करने के बाद, परमेश्वर ने उन्हें सिलेंडर मिलने में मदद की।

मालदा :

उदिप्ता कुमार एवं सूर्याकांति

स्तुति : 2 गाँव में जीज़स फिल्म दिखाई गई। 57 लोगों को व्यक्तिगत रूप से सुसमाचार सुनाया गया। साजोथी बहारिया जो एक जहरीले साँप के काटने के कारण अपने जीवन से जूझ रहे थे, उन पर परमेश्वर की कृपा हुई और उसने चंगाई पाया। सुवन बहारिया जो अपने शरीर में अत्यधिक कमजोरी के कारण कोई भी काम करने में असमर्थ थे, उन्हें प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली और अब उनका स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है।

प्रार्थना : सरजा बहरिया के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो अपने पूरे परिवार के साथ मसीही धर्म का विरोध करता है। जलागुंडी चर्च का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो सके। पैनाची चर्च के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करे कि वे रविवार की आराधना सेवा के महत्व को समझें और मसीही संगति चंगाई मिले। शुद्ध पेयजल की कमी के कारण बीमारियों से पीड़ित पिचमाला गाँव के लोगों के लिए अच्छी पेयजल आपूर्ति के लिए प्रार्थना करें।

जाम्बानी :

एफ्रैम माली एवं प्रोसोन्सिता माली

स्तुति : रोजीडा गाँव में एक व्यक्ति ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। ईश्वर की कृपा से हम अकवाबाद, कुसुमकटली, अंकरगुनिया, पिनासोल और संगराम गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया। पिनासोल गाँव के लोगों के लिए वामेश्वर को विशेष धन्यवाद दें जहाँ हमने हर घर में व्यक्तिगत प्रचार के माध्यम से सुसमाचार प्रचार करने में हम सक्षम हुए। जब सुसमाचार के पर्चे बाँटे गए, तो लोगों ने मिशनरियों को प्रार्थना करने के लिए अपने घरों में आमंत्रित किया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि प्रथिगा हंसदा के परिवार द्वारा चर्च में जाने का विरोध बंद हो, तथा उनके परिवार को हमारे प्रभु के प्रेम का अनुभव हो। रामनगर में चर्च से संबंधित भूमि विवाद का शांतिपूर्ण ढंग से समाधान हो। रामरास हेमरोम के परिवार को उनकी मृत्यु के शोक के बीच दिव्य शांति का अनुभव हो। ब्यूटी बुसान के उपचार के लिए प्रार्थना करें जो बीमारी के कारण लंबे समय से बिस्तर पर है।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ग्लोरी रॉबर्ट विलियम,
श्री. प्रत्युष नायक

तपन :

हारामोहन एवं सुसामा

स्तुति : 11 लोगों ने पश्चाताप करके अपने पापों को स्वीकार किया, और मसीह यीशु में उद्धार का अनुभव प्राप्त किया। सैमुअल सोरेन जो पहले अपने परिवार को चर्च में जाने से मना करता था, उसे अपनी बीमारी के लिए प्रार्थना के माध्यम से चंगाई मिला, अब वह एक परिवर्तित व्यक्ति है जो मसीह में अपने विश्वास की गवाही देता है। फुलमनी मरांडी को रक्तगुल्म की बीमारी चंगाई मिली। उन लोगों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो दासवी, अंतोल और पोनाहर गाँवों में अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हैं।

प्रार्थना : नेगम्बा गाँव के संडे स्कूल की शिक्षिका सावित्री के लिए प्रार्थना करें जो हृदय में ट्यूमर से पीड़ित है, चंगाई मिले। 12 वर्षीय जयदेव को गर्दन की ट्यूमर से चंगाई मिले। जसवान सोरेन के लिए प्रार्थना करें कि वह सुनने की अक्षमता से छुटकरीर पाए। प्रभु राजी मरांडी को संतान का आशीष दे।

छत्तीसगढ़

तपकारा : **अरुणकुमार एवं सारथी**

स्तुति : परमेश्वर ने हमें 4 गाँवों में लगभग 50 लोगों को सुसमाचार सुनाने में सक्षम बनाया। केरजी गाँव की मधु ने मसीह यीशु में अपना विश्वास कस अंगीकार किया है। काकट्टा, पुनमेरा और बेरजी क्षेत्रों में रात्रि सत्संग आयोजित किए गए। उमंसिया क्षेत्र में कई लोगों ने आराधना सेवा में भाग लिया। सेमरकर गाँव में बंद की गई आराधना सेवा को परमेश्वर की महिमा के लिए फिर से शुरू किया गया है।

प्रार्थना : हमारे वरिष्ठ विश्वासी बाजन की पत्नी को मानसिक अवसाद से चंगाई मिले। भरतपारा, पुनमेरा और महादेवमुडा गाँव के कलीसियाओं में जीर्णोद्धार का कार्य हो जो प्राकृतिक जलवायु परिस्थितियों के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। डबगरा क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि मसीह से उनका सामना हो। प्रतिमा और शशि को अवसाद से छुटकारा मिले।

वाड्रफ नगर :

भूपति एवं पौलिन मैरी

स्तुति : 26 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया है। परमेश्वर ने हमें 1 वर्ष के अंतराल के बाद लामेरी गाँव में आराधना सेवा को फिर से शुरू करने में मदद की। कोइवा गाँव में नई शुरू की गई आराधना सेवा निरंतर प्रगति कर रहा है। इस आराधना सेवा में भाग लेने वाले और विश्वास में बढ़ रहे 20 लोगों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि प्रादपुर, राजपुर और वाड्रप नगर के सभी लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया जा सके। सुसमाचार के विरुद्ध कार्य करने वालों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे उत्पीड़न के बीच अपने विश्वास में दृढ़ रहें। भटके हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की ओर वापस लौटें। प्रभु हमारे मिशनरी की पत्नी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

ओड़िशा

जगनाथपुर : बासुदेव मालतो एवं बसंती मालतो; अब्राहम; सुरेश मालतो

स्तुति : 18 लोगों ने अपनी पुरानी पापपूर्ण आदतों को त्यागकर यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया। आयोजित किए गए मेगा गॉस्पेल आउटरीच मीट में, 12 गाँवों के 3896 लोगों ने सुसमाचार सुना और लगभग 9100 ट्रैक्ट वितरित किए गए और लोगों के बीच 250 नए नियम वितरित किए गए। हमारे राष्ट्र के पुनरुद्धार के लिए डोंडा कलीसिया में आयोजित प्रार्थना सभा में कई लोगों ने भाग लिया और मिलकर प्रार्थना किए। घने जंगल क्षेत्रों में स्थित जोजोगुटु गाँव के लक्ष्मण को सुसमाचार सुनाया गया। वह प्रभु को जानने के लिए उत्सुक है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि डोंडा, रेपालदुवा, प्रजामुडा और महादिसा चर्चों द्वारा नियोजित सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम फलदायी हों। चर्च के प्राचीनों के प्रशिक्षण के लिए, रेपालदुवा, जमुली, दुरैसाई, परजमुडा और पुरुसाई मंडलियों में आयोजित किए जाने वाले युवा और आत्मा विजेता शिविर फलदायी हों। सुनील पारी और बासुदेव बिश्वा को शैतानी बंधन से मुक्ति मिले। क्षय रोग से पीड़ित जगमोन को चंगाई मिले।

ढेनकनाल : अशोक नायक एवं सुरभि

स्तुति : 10 लोगों ने सार्वजनिक रूप से मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया। थला मुंडा को विश्वासियों की प्रार्थनाओं के द्वारा पैरों के सूजन से कारण ठीक हो रहा है। ममता हेमपेज को दुष्ट आत्मा के बन्धन से मुक्ति मिली। जामाली, अलकापटना, कुथुकडू और अलान्स गाँवों में आउटरीच सेवकाई के दौरान लोगों ने सुसमाचार का स्वागत किया।

प्रार्थना : धुरा पुर्ती, लक्ष्मण पुर्ती, बजरा मुंडा, पंकज मुंडा, राजी मुंडा और जयंती मुंडा के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे हमारे प्रभु यीशु के ज्ञान में आगे बढ़ें और मसीह के उद्धारक विश्वास की ओर ले जाया जाए। बालन एज्रा के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें जिसका पैर टूट गया था। पंगल मुंडा को क्षय रोग से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्री प्रशांत कुमार के.
श्री एबिनेजर सामुएल

जशीपुर : सामुएल जे. एवं हवीला; अरविन्द कुमार एवं हेलेन मरियम

स्तुति : 13 लोगों को प्रभु में उद्धारकारी विश्वास की ओर ले जाया गया और उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार किया। प्रभु ने मनोज सिरका की जंगल में भागे बकरियों को सुरक्षित वापस लौटने में सक्षम बनाया। हमारे स्थानीय प्रचारक को अपनी खुद की मोटरसाइकिल खरीदने का मौका मिला और जिन माता–पिता ने शुरू में उनका विरोध किया था, वे अब उनके सेवकाई में उनके साथी बन गए हैं। राम पुर्ती को जो चलने में असमर्थ थी, चंगाई मिली। लम्बुगड़ा गाँव में एक नया आराधना समूह स्थापित किया गया है। सुगंती साई गाँव में हमारे जसीपुर बालिका भवन की छात्रा ने अपनी 10 वीं की परीक्षा में अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त की।

प्रार्थना : प्रार्थना करे कि पंगिला पुर्ती और रामचंद्र पुर्ती को मसीह के उद्धारक विश्वास की ओर ले जाया जा सके। प्रार्थना करें कि प्रभु हरि पुर्ति के जीवन को स्पर्श करें, जो एक सेवक का रिश्तेदार है और सुसमाचार का विरोध करता है। सुरुकु मुनि को आँख की बीमारी से चंगाई मिले। गुरुवारी के लिए प्रार्थना करें कि वह तीव्र गर्दन की ऐंठन से चंगाई कमले और अपनी गर्दन को मोड़ने में समर्थ हो। हमारे बालिका बाल भवन की छात्राओं के लिए कि वे सांसारिक बुद्धि और प्रभु की अनुग्रह में आगे बढ़ें।

रिमुली : शंकर पी. एवं जेलिन

स्तुति : 3 लोगों ने ईसा मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। जबकि कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों ने नोइबंगा गाँव के हमारे विश्वासी मुंडा के घर को घेर लिया और 4 दिनों तक काला जादू करके उसे अपना विश्वास छोड़ने की धमकी दी, तब भी मुंडा अपने विश्वास पर दृढ़ और अटल रहा। जब नोइबंगा गाँव में अजय मुंडा के दादा ने महिमा में प्रवेश किया, तो अंतिम संस्कार बिना किसी परेशानी के मसीही रीति के अनुसार ही सम्पन्न किया गया। लोगिनिपेसी गाँव के विश्वासीगण उत्पीड़न बावजूद अपने विश्वास में दृढ़ और अटल हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जमुथी और गुंडानिया गाँव में चर्च निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा हो सके। गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण रुके हुए सभी निर्माण कार्य फिर से शुरू होने पाए। बच्चों के बीच किए गए सभी सेवकाई के फलवन्त होने के लिए प्रार्थन करें। प्रार्थना करें कि शिक्षित युवतियाँ सेवकाई के लिए खुद को समर्पित करें। प्रार्थना करें कि जम्पुरा गाँव में आराधना सेवा आयोजित की जाए और नए गाँवों में सेवा करने के लिए मिशन कार्यकर्ताओं की आवश्यकता पूरी हो। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो चंगाई प्राप्त करते के बाद यीशु मसीह को भूल जाते हैं, वे परमेश्वर की भलाई को याद रखें और प्राप्त अनुग्रह के प्रति वफादार रहें।

रायरंगपुर : कुना चंद्र पाइक एवं क्रुतांजलि

स्तुति : डुंगरापानी में विश्वासियों के लिए एक दिवसीय बैठक और लुकासिया में एक दिवसीय आत्मा विजेता शिविर आयोजित किया गया। सुसमाचार के लिए वेहा समुदाय के बीच खुले दरवाजे और अच्छी ग्रहणशीलता के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। हमारे मिशनरी के बेटे कमलेश ने सी.ए की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए और चार्टर्ड अकाउंटेंसी कोर्स के लिए योग्यता प्राप्त की।

प्रार्थना : मसीह में विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार किए जा रहे 11 परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूत हों। 1वर्षीय लड़के की सफल सर्जरी के लिए प्रार्थना करें। कुचीपाल और सुनापाड़ा गाँव के विश्वासियों और गैर–विश्वासियों के बीच शांतिपूर्ण सुलह के लिए प्रार्थना करें। कलीसिया के प्राचीनों की योजना सभा सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिए प्रार्थना करें।

गुजरात

कोरम्बा एवं कदोड़ :

पुष्पराज आर. एवं ज्योति निर्मला

स्तुति : कदोड़ में एक नया आराधना केंद्र की स्थापना की गई। जाटपुर में पहली बार आयोजित रात्रि सभा में लगभग 25 लोगों ने भाग लिया। रागीपुरा और सेरिमा गाँवों में आयोजित महिलाओं की विशेष सभा में कई महिलाओं ने भाग लिया। खेत में काम करते समय सेंथिल बेन को एक जहरीले साँप का सामना करना पड़ा, परन्तु परमेश्वर ने उसकी रक्षा की।

प्रार्थना : कैंसर की प्रारंभिक अवस्था से पीड़ित कसवार गाँव की सावित्री बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हरिपुरा गाँव की किरणबाई के लिए प्रार्थना करें जो रात्रि सभाओं के लिए अपना स्थान देती थी, अब धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा दी गई धमकियों के कारण अपना स्थान देने से इनकार कर रही है। प्रार्थना करें कि उसका हृदय परिवर्तन हो। मसीहियों के शवों को दफनाने के मामले में विश्वासियों और अन्य ग्रामीणों के बीच उत्पन्न मतभेदों का सौहार्दपूर्ण समाधान हो, जबकि दाह संस्कार स्वीकृत मानदंड है। प्रार्थना करें कि किमपुरा गाँव में होने वाली आराधना सेवा में केवल बुजुर्ग लोग ही नहीं, बल्कि युवा समुदाय भी शामिल हों।

क्या मैं उसे जन्माने के समय तक पहुँचाकर न जन्माऊँ? (यशायाह 66:9)

दुलेले पहाडिन् गर्भवती थी और वह बहुत ही कमजोर थी। हमारे कलीसिया के विश्वासियों ने जाकर उसके लिए प्रार्थना की, और प्रभु ने उसे उसके घर में ही सुरक्षित रूप से एक बच्ची को जन्म देने में सक्षम बनाया। अब वह और उसका परिवार प्रभु को स्वीकार कर चुके हैं और मसीह के पंथ में शामिल हो गए। इस चमत्कार देखने के बाद, उसके दो पड़ोसी भी रविवार को होने वाली परिवार की आराधना में भाग ले रहे हैं।

23 सितम्बर सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री डेनियल विजयराज
श्रीमती लुरधू मैरी गिरी बाबू
श्रीमती जस्मीन कविता डेनसिंह

बोड़ोली : येसुबाबू एवं उषा

स्तुति : वेरामाथा गाँव में आयोजित महिला सम्मेलन में 50 महिलाओं ने भाग ली और अपने पड़ोसियों के उद्धार के लिए प्रार्थना की। सनोली गाँव से प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए आमंत्रण मिला है। 3 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई आयोजित की गई।

प्रार्थना : सोनल बेन, पार्थी बेन और पजरी बेन के मसीही आराधना सेवा में भाग लेने का विरोध करने वाले परिवार के सदस्यों के हृदय परिवर्तन लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह के प्रेम का अनुभव करें। राजवी अपने खेत से सब्जियाँ लेकर लौट रहा था, रास्ते में उसे एक साँप मिला। उसने घबराकर सब्जियाँ फेंक दीं और घर भाग गया; उस रात जब उसने देखा कि साँप उसकी खाट के पैर के पास कुंडली मारे बैठा है, तो वह डर से काँप उठा। प्रार्थना करें कि उसे उसके डर से मुक्ति मिले। दुर्घटना में सिर में चोट लगने से घायल हुए अश्विन के की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

विजयनगर : विजयकुमार एवं सुशीला

स्तुति : इस वर्ष अब तक 66 लोगों ने सार्वजनिक रूप से मसीह में अपनी आस्था को स्वीकार किया है। सुसमाचार के कई वर्षों तक लगातार विरोध के बाद, अब सिक्करी गाँव में एक चर्च का निर्माण किया जा रहा है। अमृत बाई को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सिक्करी चर्च का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूरा हो सके और उसे परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया जा सके। प्रार्थना करें कि सोम गाँव के हिंदालाल और बथरीलाल जो मसीही मिशन के कार्यों का विरोध करते हैं, वे अपने हृदय परिवर्तन के लिए तैयार हों और अपनी कट्टरपंथी गतिविधियों से दूर रहें। पुमड़ी गाँव के कमलेश के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो मसीही धर्म के खिलाफ ग्रामीणों को प्रेरित करता है। पिछले 5 वर्षों से दुष्टात्मा की पीड़ा झेल रही गोकिला बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

इफ्फतह – खुल जा

राजस्थान के खेरवाड़ा मिशन क्षेत्र के हंजा खराडी गाँव के चर्च एल्डर ओबदा का पुत्र बिंदास अविनाश पुत्र में के एक मजदूर थे जो नियमित काम में लगे हुए थे, तभी उन्हें अचानक बिजली का झटका लगा। वे छत से नीचे गिरकर बेहोश हो गए। उनके सहकर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुँचाया और उनके माता–पिता को सूचित किया, और उन्होंने चर्च को उनके लिए प्रार्थना करने के लिए कहा। उसको होश तो आया, परन्तु वह 6 दिनों तक बोल नहीं पाया। कलीसिया ने उसके लिए हृदय से प्रार्थना की। प्रभु ने उसे छुआ और वे आखिरकार बोलने में सक्षम हो गया। फिलहाल वह कंप्यूटर कोर्स कर रहा है।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती निर्मला मित्रन
श्रीमती शांति लाल कृष्ण कुमा

नासवाड़ी : हेनरी सोलोमन और एंजेल जेबा

स्तुति : 2 व्यक्तियों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया है और उनके शिष्य बन गए हैं। जोगसपुर और बट्टा गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार किया गया। 20 स्थानों पर जीज़स फिल्म दिखाई गई। विश्वासियों को आत्मा विजेताओं का प्रशिक्षण दिया गया। हरमगिरी गाँव में रविवार की एक नई आराधना सेवा शुरू की गई है। बाल भवन के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि का सर्वेक्षण शुरू किया गया है जो आसपास के समुदाय के लिए अधिकतम उपयोगी हो।

प्रार्थना : सुकलिबेन और संध्याबाई के परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में गहरी रुचि दिखाते हैं, ताकि वे मसीह में उद्धारक विश्वास में आ सकें। करोडी गाँव की लकवा से पीड़ित सुमन को चंगाई मिले। धातवी समुदाय के लोगों के बीच पवित्र आत्मा के कार्य के लिए प्रार्थना करें ताकि बहुत से लोग मसीह के पास आएँ और उनके शिष्य बनें। आगामी युवा शिविर के फलदायी होने के लिए प्रार्थना करें।

सेलम्बा : युवनेश एवं झाँसी रानी

स्तुति : सेवेनी गाँव के रविदास को गुर्दे में संक्रमण से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर ने ईश्वर बाई को परमेश्वर ने एक हमलावर साँप से चमत्कारिक रूप से बचाया लिया जब वह खेत में काम कर रही थी। 110 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया और उन लोगों को 7 बाइबिल तथा 8 नए नियम प्रदान किए गए। परमेश्वर ने इस क्षेत्र में भरपूर पानी बरसाया।

प्रार्थना : आशीष और दिलीप के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने स्वयं को सेवकाई के लिए समर्पित किया है। कुछ लोगों के बीच व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण, सुली मण्डली में कलीसिया की सेवा में एकता की आत्मा का अभाव है। प्रार्थना करें कि विश्वासियों के बीच एकता हो। ओवलन और कोलीवाड़ा गाँव में चर्च के निर्माण के लिए एक उपयुक्त भूमि की आवश्यकता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि प्रभु से हमारे विश्वासियों के खेतों में अच्छी फसल की आशीष दे।

कवंत :

अखिलेश एवं किरन देवी

स्तुति : 26 लोग विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए आध्यात्मिक रूप से तैयार हो रहे हैं। 10 नए परिवार के लोगों ने मसीही विश्वास को स्वीकार किया है। नवीजी बाई और साइना बेन को दुष्ट आत्मा के बंधन से मुक्ति मिली। शांति बेन जिनकी दृष्टि कम होती जा रही थी, उनकी प्रार्थनाओं के कारण उन्हें चंगाई मिली। जब विश्वासियों ने अज्ञात बीमारी के कारण से बिस्तर पर पड़ा सूरज नामक एक विश्वासी के लिए प्रार्थना की, तो प्रभु ने अपनी दया से उसे चंगाई प्रदान किया।

प्रार्थना : उन 13 परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो सामाजिक उत्पीड़न के कारण अपने विश्वास से भटक गए हैं, वे प्रभु के पास वापस आएँ। पिछले 9 महीनों से डायरिया से पीड़ित रामथिया बाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। रविवारीय पाठशाला में पढ़ाने के लिए शिक्षकों की आवश्यकता और प्रशिक्षण के लिए प्रार्थना कों।

जन्मदिन मुबारक

श्री अल्बर्ट प्रभाकरन एन.

दादर एवं नगर हवेली (यू.टी)

खानवेल :अरुल असीर एवं सुगुना

स्तुति : सिस्था गाँव के यशवंत को गले के संक्रमण से चंगाई मिली। अनवीर गाँव की नवसु बाई को पैरों की सूजन और जलन से मुक्ति मिली। सुरंगी गाँव के दिनेश को गुर्दे की बीमारी से चंगाई मिली। सिक्कलदा गाँव में रहने वाली सोनियाबाई की एक गाय कई दिनों से चलने में असमर्थ थी। परमेश्वर से निरन्तर प्रार्थना के बाद परमेश्वर ने गाय को शक्ति दी और अब वह उठकर चलने लगी है।

प्रार्थना : वसुना गाँव के दिलीप को अपनी आंतों की सूजन की समस्या से चंगाई मिले। कन्नोली गाँव की सुमन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो कीड़े के काटने के कारण उसका चेहरा सूज गया है। दक्षणा बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो लंबे समय से मासिक धर्म संबंधी समस्याओं से पीड़ित है। सिस्था गाँव का रौनक के लिए प्रार्थना करें जो त्वचा के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती है, उसे चंगाई मिले।

महाराष्ट्र

चोपड़ा : मानसिंह वसावा एवं येमेन बेन

स्तुति : कंधीली गाँव में एक नई आराधना केंद्र की शुरूआम की गई है। अंबनेर और रामपुर गाँवों में संचालित प्रार्थना कक्ष परमेश्वर की महिमा के लिए चर्च में परिवर्तित कर दिया गया है। महादेव गाँव में एक नया परिवार विश्वास में आया है। हमारे बाल भवन से भागा हुआ युवा लड़का किरण को परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से राजमार्ग पर एक ट्रक से हुई दुर्घटना से बच गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पिछले दो वर्षों से बुरी आत्मा से परेशान सुरेश को छुटकारा मिले। रामदास को क्षय रोग से चंगाई मिले। अवसाद से पीड़ित बिन्दु के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। कैल्शियम की कमी के कारण अपने पैरों को मोड़ने में असमर्थ रोहित की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

तलाज़री : गेड्डम श्रीनिवासराव एवं राज्य लक्ष्मी

स्तुति : जब संसोरी गाँव की आरती अचानक बेहोश हो गई, तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसके मस्तिष्क में रक्तस्राव का पता चला और उसे सर्जरी की सलाह दी गई; जब विश्वासियों ने प्रार्थना की, तो उसे सर्जरी की आवश्यकता के बिना अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रामपुर, कडोधरा और कंदरा मंडलियों में विश्वासियों के शिविर का आयोजन किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि 6 वर्षीय अरूष दिनेश को हृदय रोग से पूर्ण चंगाई मिले। कंजट और सालनी चर्च के भटके हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे पुनः प्रभु की संगति में आएँ। महिलाओं की प्रार्थना समूह के सुचारू रूप से संचालन के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम को फलदायी तरीके से संचालित किया जा सके।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रेबेकम्मा पौल
श्री सिएखोथांग जोऊ

मोलगी : बिद्युत कुमार

स्तुति : 8 नए गाँवों में लगभग 2688 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 14 लोगों ने यीशु में अपना विश्वास का अंगीकार किया। 6 नए परिवारों ने अपने जीवन प्रभु को समर्पित किया। रसीलीबाई की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि सांप के काटने से पीड़ित लीला को परमेश्वर चंगाई प्रदान करे। प्रार्थना करें कि 2 साल के बच्चे को ब्रेन ट्यूमर से चंगाई मिले।

प्रार्थना : कजरगड़ी गाँव के जगंगा के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करता है। 5 वर्षीय रमेश की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो अपने हाथ पैरों में विकलांगता से ग्रस्त है। मोलगी, नर्मदा और वटफली मिशन क्षेत्रों के विश्वासियों के बीच आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें विश्वासीगण सुसमाचार प्रचार सेवा में भाग लेने के लिए प्रेरित हों।

पाल : वेंकटेश वाड्डार एवं शीबा

स्तुति : 2 नए गाँवों में 523 लोगों ने सुसमाचार सुना। 7 लोगों ने अपने जीवन में परिवर्तन लाया। 6 गाँवों में महिलाओं के प्रशिक्षण और 13 स्थानों पर कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। सीताराम नामक एक विश्वासी के पति को साँप के काटने के कारण खून की उल्टी हो रही थी, परन्तु प्रार्थना के उत्तर में उसने चंगाई पाया। निम्मादेय जो चलने में असमर्थ था और बुरी आत्मा के कारण पीड़ित था, विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा उसे चंगाई मिली। सीमा को प्रार्थना के माध्यम से 11 साल बाद एक बच्चे का आशीष मिला।

प्रार्थना : 4 महीने की बच्ची राधा के शरीर पर चकत्ते हो गए हैं, प्रार्थना करें कि उसे चंगाई प्राप्त हो। कई वर्षों से अवसाद से पीड़ित सुनील के चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

कर्नाटक

कोलार : जोहन मालतो

स्तुति : सुसमाचार प्रचार सेवा और महिला सभा का आयोजन सफलतापूर्वक की गई। कई लोगों को ट्रैक्ट वितरित किए गए। विश्वासिनी सरथम्मा के अंतिम संस्कार के सुचारू संचालन और अंतिम संस्कार के लिए एकत्रित लोगों को आने वाले अनन्त राज्य के बारे में सुसामाचार साझा करने का अवसर के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। कई वर्षों से गम्भीर बीमारी के कारण बिस्तर पर पड़ी लक्ष्मी को चंगाई मिली और अब वह आराधना में भाग लेने में सक्षम है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सत्तरापल्ली गाँव में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि की खरीदी जा सके। मुत्रावली, पंजरापलु, डिंगहनक और अमरोसुल्लू गाँवों के विश्वासियों के लिए आराधना सभा शुरू करने के लिए प्रार्थना करें जो वर्तमान में प्रभु की आराधना करने के लिए सत्रापल्ली गाँव की कलीसिया में जाते हैं।

जन्मदिन मुबारक

सुश्री कोलीन हिल्डा ग्रेस

मलूर : किशन्ता लीमा एवं प्रमिला

स्तुति : संतोष ने अपने पुराने पापमय जीवन को त्याग कर मसीह में नया जीवन अपनाया। प्रभु ने लोकेश नामक कलीसिया का एक प्राचीन और मिशन का स्वयंसेवक की भूमि में भरपूर फसल की आशीष दी। जब आलमपाड़ी चर्च की कावेरी अम्मा को बिना छत के सड़कों पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा, तो चर्च के विश्वासियों ने उनके रहने के लिए किराये का घर तय करने को अपनी जिम्मेदारी समझी। प्रभु ने प्रार्थना के माध्यम से वेद को एक अच्छी नौकरी दी।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर वेंकटप्पा और उनके परिवार को भारी कर्ज से छुटकारा प्रदान करे। स्वाति को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। प्रार्थना करें कि अंबिका के पति अम्बिका को खुशी से चर्च भेजें। उन प्रवासी श्रमिकों के लिए प्रार्थना करें जो मसीह में अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, वे जल्द से जल्द अपने विश्वास का अंगीकार करें। प्रार्थना करें कि चर्च में जाने से विश्वासियों को रोकने वाली सभी सामाजिक बाधाएँ दूर हों।

शिरहट्टी : आशा प्राप्ता एवं दीना

स्तुति : सुनीता और उसके पति के बीच चमत्कारिक रूप से सुलह हुआ जबकि वे तलाक के कगार पर थे। दो व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। परमेश्वर ने विजयलक्ष्मी को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया जो कई सालों से निःसंतान थीं। लक्ष्मी की विश्वासयोग्य प्रार्थनाओं के कारण, परमेश्वर ने उसे 11 लाख में एक जमीन खरीदने में सक्षम बनाया, जबकि इसकी मूल कीमत 20 लाख थी।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि गीता को डाक विभाग में नौकरी मिलने के लिए प्रार्थना करें जो स्वयं इसके लिए निरंतर प्रार्थना करती है। चर्म रोग से पीड़ित अभिमनेश को चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि शराबी पति और बीमार बेटे के साथ रहने वाली एलामा को प्रभु में बल मिले। विधवा जेमिला को जीवन यापन के लिए मार्ग प्रशस्त हो जिसको उसके भाई ने घर से निकाल दिया है। रुक्मा को मानसिक अवसाद से छुटकारा मिले।

यहोवा राफा – चंगा करनेवाला परमेश्वर

उत्तराखंड के मुल्तांगुलर में विजय नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह पिछले छह महीनों से मुंह के कैंसर से पीड़ित था, वह ठीक से बोल नहीं पाता था, खाना नहीं खा पाता था और न ही पानी पी पाता था। उसकी बहन उसे अपने घर ले आई और हमारे मिशनरियों से उसके लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया। उनकी प्रार्थनाओं के बाद, विजय ने बोलने की क्षमता वापस पा ली। हम परमेश्वर से उसके ट्यूमर के पूरी तरह से ठीक होने के लिए प्रार्थना करते रहते हैं।

आंध्र प्रदेश

कोट्टाचेरुवु :

देसाई दिलिप एवं लक्ष्मीबेन

स्तुति : कोट्टाचेरुवु और ब्रामणपल्ली क्षेत्रों में सुसमाचार साहित्य वितरित किए गए। पेनकोट्टा क्षेत्र में गई एक टीम के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार किया गया। कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। निरंतर प्रार्थनाओं के उत्तर में परमेश्वर ने मुथ्यालम्माल को एक अच्छी नौकरी की आशीष दी।

प्रार्थना : परिवार के उन सदस्यों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो प्रभावती और तिरुपति को चर्च में आने से रोकते हैं ताकि वे हमारे प्रभु यीशु के प्रेम का अनुभव करें। चर्च के निर्माण के लिए साईं नगर में उपयुक्त भूमि मिलने के लिए प्रार्थना करें और इस कार्य में गाँव के लोग सहयोग करें। अंजनेया की जमीन जो कुछ धोखेबाज लोगों द्वारा हड़प ली गई है, प्रार्थना करें कि उसे वापस मिल जाए। अंजप्पा और नारायणम्मा जिन्होंने बीमारी और विरोध के कारण चर्च जाना बंद कर दिया है, प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास को नवीनीकृत करके चर्च में वापस आने पाए।

धमालाचेरुवु : जॉन डेविड राज (सेवानिवृत्त) एवं ज्ञानसेकरी

स्तुति : जब हमारे विश्वासी पवित्रा साईं की गाय के पेट में बछड़े की मृत्यु के कारण सूजन आ गई थी, तो उन्होंने प्रार्थना की और परमेश्वर ने माता गाय के जीवन की रक्षा की। मंद रोशनी वाले अन्नामा के घर में शरण लेने वाले साँप को देखा गया और उसे मार दिया गया। जब दिव्या ने अपने शराबी पति के लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसका हृदय को बदल दिया और उसने अपनी बुरी आदत छोड़ दी और उसे नौकरी भी मिल गई। हमारे विश्वासी एस्तेर अम्मा की जीभ में कैंसर की संभावना को खारिज करने वाले चिकित्सा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : श्री गणेश के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें जो अपने सिर के ट्यूमर को हटाने के लिए किए गए ऑपरेशन के कारण उसके शरीर का एक भाग लकवाग्रस्त हो गया है। मर्सी डैनियल, जो अपनी बहू की प्रसव के दौरान मृत्यु के कारण पीठ के बल गिर गई थी, प्रार्थना करें कि उसे वापस परमेश्वर के पास ले जाया जाए। लावण्या और पवन को योग्य मसीही जीवनसाथी मिले। सुमा लता को दुष्टात्मा के कारण हो रही पीड़ा से छुटकारा मिले। अब्राहम को रीढ़ की हड्डी के दर्द और घबराहट से और नीलावती को उसके पूरे शरीर के घावों से चंगाई मिले। परमेश्वर सिरवानी और रेबेका को संतान की आशीष दे।

जन्मदिन मुबारक
सुश्री सुशाजिता सेनापति

पालमनेर : पौल कुप्पुसामी एवं शाईला

स्तुति : कोलासनमपल्ली चर्च में युवा शिविर में भाग लेने वाले 30 युवाओं के लिए जो अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहे। अप्पिनापल्ली मण्डली के दो विश्वासियों के लिए जिन्होंने मिशनरियों की सहायता के लिए हर महीने अपने दशमांश का एक हिस्सा देने का संकल्प लिया है। अप्पिनापल्ली चर्च की एक अंध विश्वासी एस्तेर के लिए जिसके पैर में एक बड़ा फोड़ा था, जो प्रार्थना के माध्यम से चंगी हो गई। चंद्रा और बालकृष्णन के लिए जो डेंगू के कारण श्वेत रक्त कणिकाओं में भारी कमी के कारण मृत्यु के कगार पर थे, प्रार्थना के कारण चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली।

प्रार्थना : भटके हुए विश्वासीगण मंजू, सुब्रमणी, गंगम्मा, आनंद और वरलक्ष्मी के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की संगति में वापस आएँ। प्रभु उन लोगों को रोकें जो सेनगम्मा की भूमि पर कब्जा करने की कोशिश करते हैं। हमारे मिशनरियों के काम को दूसरे लोगों के सामने बदनाम करने वाले भास्कर रेड्डी के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें और ईमानदारी से काम करे।

तमिलनाडु

मेचेरी : धर्मराज एवं मारियासेल्वी

स्तुति : 4 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया है। 1500 ट्रैक्ट वितरित किए गए। प्रार्थनाओं के उत्तर में परमेश्वर ने थंगम्मल को शैतानी हमलों के कारण होने वाले भय और बीमारी से छुटकारा प्रदान किया। लक्ष्मी का परिवार भारी बोझ और अवसाद से पीड़ित था, जिसके कारण वह अपनी शांति खो चुकी थी, प्रार्थना के द्वारा उन्हें मुक्ति मिली और अब वे शांति से रह रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा उन लोगों के हृदयों में काम करे जो सुसमाचार के ट्रैक्ट को पढ़ते हैं। प्रार्थना करें कि श्रीनिवासन और प्रिया को संतान की प्राप्ति हो। मरियप्पन, मुथु लक्ष्मी, पुष्पराज, तमिलन, धनालक्ष्मी, पलानीस्वामी, मुरुगेसन और अंदिप्पन के परिवारों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि सरण्या को एक अच्छी नौकरी प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि मणि यीशु को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार करे और एक उपयुक्त जीवनसाथी मिले!

सहारा देने वाला परमेश्वर का हाथ!!

तमिलनाडु के वेप्पनपल्ली क्षेत्र के हमारे विश्वासी मुनिराज की बेटी सत्या और उनके बेटे भयानक बाइक दुर्घटना के शिकार हुए। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। विश्वास की प्रार्थनाओं के कारण उन्हें अच्छे स्वास्थ्य के साथ छुट्टी दे दी गई। यीशु के नाम की महिमा हो

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती तुम्पा चौधरी ओम प्रकाश

एन्चेटी : डेविड निकोलसन एवं आइवी

स्तुति : 3 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। पूरी रात उपवास प्रार्थना में 11 लोगों ने भाग लिया। परमेश्वर ने हमारे विश्वासी गौरम्मा को एक वाहन दुर्घटना से बचाया। नए गाँवों में सुसमाचार के लिए द्वार खुला। हमारे विश्वासियों को दिए गए सुरक्षित स्वास्थ्य के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। प्रभु ने बीज की बुवाई के लिए पर्याप्त वर्षा प्रदान की।

प्रार्थना : आगामी जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग सेवकाई के प्रभावी संचालन, नए गाँवों में सुसमाचार की घोषणा, महिलाओं की बैठक और पूरी रात प्रार्थना की सफलता के लिए प्रार्थन करें। प्रार्थला करें कि कर्नाटक के उनसनहल्ली, ओथिपुरम, अर्थकल, पासपट्टना, समंडीपुरा और तमिलनाडु के इंदिरा नगर, पायलकाडु, सिंगोटाई, मरियालम और वन्नाथुपट्टी गाँवों में सुसमाचार के लिए खुले। प्रभु रवि, अशोकन, सेल्वाकुमार, नागराज, रीगन, माथु, सुरेशबाबू, अनुश, अप्पीदेवी और मुवेंद्रन को शराब की लत से छुटकारा मिले।

बाइबल अनुवाद

वर्ली अनुवाद सेवा :

अब्राहम जी. एवं हेमा

स्तुति : यशायाह की पुस्तक के तीन अध्यायों का अनुवाद किया गया है। 2 शमूएल के 22 अनुवादित अध्यायों को मुद्रित किया गया है। एस्तेर और उत्पत्ति की पुस्तकों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण सिद्धांतों का अनुवाद और मुद्रण किया गया है। मत्ती, मार्क और प्रेरितों के कार्य की पुस्तक का अनुवाद किया गया है और वे मुद्रित किए गए।

प्रार्थना : 2 शमूएल और यशायाह के अनुवादों की प्रमाणिक जाँच के लिए प्रार्थना करें। महत्वपूर्ण सिद्धांतों और बाइबल पढ़ने की सहायक सामग्री के अनुवादों की प्रमाणिक जाँच के लिए प्रार्थना करें। हमारे मिशनरियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

यह प्रभु ही है जो घर बनाता है

हिमाचल प्रदेश के बंगाली गाँव में रहने वाला नारायण सिंह ने अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर घर बनाना शुरू किया। गाँव की परंपरा के अनुसार, जब घर बनना शुरू होता है, तो गाँव वालों के लिए शराब पार्टी का आयोजन किया जाता है। परन्तु नारायण सिंह ने शराब परोसने से मना करते हुए कहा कि वह ऐसा बुरा काम नहीं करेगा। जिस दिन मकान का निर्माण शुरू हुआ, उस दिन गाँव का कोई भी व्यक्ति नहीं आया, परन्तु उसने विश्वासियों की एकजुट प्रार्थना के आधार पर मकान का निर्माण शुरू कर दिया। गाँव वाले कहने लगे कि मकान का निर्माण कार्य बीच में ही रुक जाएगा, परन्तु ग्रामीणों ने उसकी मदद की और मकान का निर्माण पूरा किया तथा प्रार्थना के साथ उसे समर्पित किया गया और उसने ग्रामीणों के बीच अपनी गवाही दी। परमेश्वर की महिमा हो!

COMING SOON

The King will reply, 'Truly I tell you, whatever you did for one of the least of these brothers and sisters of mine, you did for me. Mt. 25:40

FMPB Vizag CARNIVAL

7th September 2024

Saturday

@

VISHWANADH SPORTS CLUB

Port Stadium, Akkayyapalem Main Rd,
Visakhapatnam 530016

Be a blessing

Be blessed

Be a part of this noble cause by volunteering, performing and putting up of stalls for the benefit of Malto Children's Primary Education. For more details contact:

98852 26616, 98492 81666, 98483 49024, 0891-2703345

friends missionary prayer band

GO OR SEND

KARNATAKA STATE CONFERENCE 2024

PLACE

INDIA CAMPUS CRUSADE FOR CHRIST
Hennur Road, Lingarajapuram, Bangalore - 84.

Oct. 11 - 13

FRI & SAT - 8.00 AM TO 8.00 PM
SUNDAY - 8.00 AM TO 4.30 PM

THEME Who Am I (2 Samuel 7:18)

GUEST SPEAKERS

- **Rev. S. John Berlin,** GS, FMPB (Inaugural)
- **Dr. Prabhu Singh**
- **Rev. Sagar Sundar Raj**
- **Rev. I.K. Abraham**
- **Mrs. Christy Rajan**
- **Dr. E. Rajan** (Young Couples)
- **Mr. Deepak Chander M** Scripture Union, (Youth & Teens)

Vision / Mission of the Conference:

- To see the Great Commission come alive.
- To develop a heart for mission among disciples of Jesus
- To renew our commitment/involvement for Mission & witness

Objectives to achieve the vision:

- Identify new partners inspired to go as Missionaries, inspired to pray & inspired to give.
- Engage every member/house to pray for missions
- Create new prayer cells and equip young leaders.

Friends Missionary Prayer Band

Young Couples Meet

Together in God's Mission

GUEST SPEAKERS:
REV. DR. E. RAJAN & MRS. CHRISTY RAJAN

12th October 2024
2pm to 5pm
India Campus Crusade for Christ, Lingarajpuram, Bengaluru.

Commences with lunch

FMPB - KARNATAKA SNEHALAYA
#173, 4th Cross, Chikkanappa Layout, Byrathi, Kothanur, Bengaluru - 560 077.
☎: Rev. Vijay - 9441393166, Rev. Elangovan - 9902288750, Rev. Justin - 7868050020, Bro. Ananda Kumar - 9686436937, Rev. Raja (Hubballi) - 9036871342, Rev. Robert (KGF) - 9654373422. E-mail: vijaypisaac@fmpb.org

Pray, Participate & Be Blessed

श्री ए. सेल्वाराज का जन्म 17 मार्च 1979 को श्री एंथोनीसामी और श्रीमती मैरी के घर तिरुचिरापल्ली में हुआ था।

कैथोलिक पृष्ठभूमि से आने वाले सेल्वाराज के परिवार ने वर्ष 1997 में यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। अपने स्कूल के दिनों से ही परमेश्वर के कार्य में शामिल थे, परन्तु वे पापपूर्ण आदतों से जूझते रहे। एक दिन, परमेश्वर के एक व्यक्ति के उपदेश के दौरान, सेल्वाराज मत्ती 11:28 के वचनें से प्रभावित हुए। उस दिन उन्होंने यीशु मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और शास्त्रों का पालन करते हुए नियमित रूप से चर्च में भाग लेना शुरू किया। बाद में उन्होंने अपने चर्च के पादरी के साथ मिलकर काम करने लगे। इस दौरान उन्होंने अपने दोस्तों के माध्यम से मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल (FMPB) की गतिविधियों के बारे में जाना। 2003 में, उन्हें सुसमाचार प्रार्थना दल के साथ काम करने का आह्वान महसूस हुआ और उन्हें गॉस्पेल रथम में वरिष्ठ मिशनरी श्री नवनीत अन्नान के साथ सेवा करने का अवसर मिला। चार साल तक, उन्होंने गॉस्पेल रथम टीम के साथ उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में सेवा की, एक वर्ष के प्रशिक्षण के बाद उन्होंने राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में सेवाएँ दीं।

सिस्टर सेल्वामम्ल का जन्म 09 जून 1987 को नेवेली में श्री थंगराज और श्रीमती लैला मैरी की सबसे बड़ी बेटी के रूप में हुआ था। बहन सेल्वामल ने अपने शिक्षक प्रशिक्षण को पूरा करते समय अपने चर्च में आयोजित एक सभा के दौरान यीशु मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने एक साल तक मोबिलाइजेशन सेवा में मानद मोबिलाइजेशन सचिव श्री सेकर मॉरिस की सहायता की। वह 11 जून 2008 को एक पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में मित्र सुसामचार प्रार्थना दल में शामिल हुईं। एक साल के प्रशिक्षण के बाद, उन्होंने गुजरात के सेलम्बा में काम किया। 14 दिसम्बर सन् 2009 को, उन्होंने श्री ए. सेल्वाराज से विवाह किया। तब से, वे राजस्थान के पीलीबांगन में एक परिवार के रूप में एक साथ सेवा कर रहे हैं। वर्तमान में, वे राजस्थान के खैरथल क्षेत्र में सेवा कर रहे हैं।

परमेश्वर ने उन्हें दो बेटों से आशीर्वाद दिया है: सेरुबा मेलबिन राज, जिनका जन्म 25/12/2010 को हुआ (9वीं कक्षा), और स्मिथ मार्टिन राज, जिनका जन्म 23/01/2014 को हुआ (6वीं कक्षा) था। वे संतोष विद्यालय, डोहनावूर में पढ़ रहे हैं। आईए हम अपनी प्रार्थनाओं में इस मिशनरी परिवार को याद रखें।

श्री ए. सेल्वाराज एवं श्रीमती सेल्वम्मल परिवार

आवश्यक्ता है

क्या आपको

नया जन्म का अनुभव है?

आप मिशनरी कार्य के लिए बुलाए गए हैं?

आप परमेश्वर के लिए कुछ हासिल करने के लिए उत्साहित हैं?

आपके पास +2 जैसा बुनियादी शैक्षिणक योग्यता है?

आप (पुरूष 28 वर्ष, स्त्री 24 वर्ष) के हैं?

हम आपको क्षेत्रीय मिशनरी, शिक्षक, डाक्टर, नर्स, पारा मेडिकल स्टॉफ, अभियंता, कम्प्यूटर ऑपरेटर, पत्रकार एवं मोबिलाईजेशन कूशनरी के रूप में कार्य काने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए

The Secretary- HRD, FMPB 29, High Schoo; Road, Ambattur, Chennai 600053

Ph: 8073130527 / Email. jebarajsamuel@fmpb.or g / hrd@fmpb.org

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org ***Printed by:*** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. ***Editor: S. John Berlin***